बृहस्पतिवार
04 जुलाई 2024

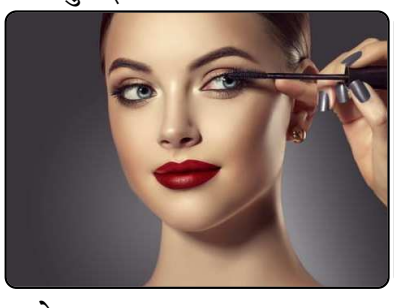

पृष्ठ 4
आंखों के मेकअप करने के लिए...

पृष्ठ 5
काली साड़ी पहन एक्ट्रेस श्रिया सरन...

● देहरादून
● वर्ष 32
● अंक 151
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

कष्ट और विपत्ति मनुष्य को शिक्षा देने वाले श्रेष्ठ गुण हैं। जो साहस के साथ उनका सामना करते हैं, वे विजयी होते हैं।

– लोकमान्य तिलक

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

अधिवक्ता से मारपीट पर गुस्साये लोगों ने लगाया जाम, कोतवाली घेरी

❑दो हमलावर गिरफ्तार, चार नामजद

संवाददाता

देहरादून। अधिवक्ता के साथ मारपीट करने पर स्थानीय लोगों ने जाम लगाकर प्रदर्शन किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने लोगों को समझाकर जाम खुलवाकर दो हमलावरों को गिरफ्तार कर लिया। जिसके बाद लोगों ने डालनवाला कोतवाली का घेराव कर दिया।

मिली जानकारी के अनुसार अधिवक्ता गगनदीप थापर अपने घर से कचहरी की तरफ जा रहे थे। जब वह डीएवी कालेज के पास पहुंचे तो रास्ते में कुछ युवक सडक के बीच में खडे होकर आपस में बाते कर रहे थे। थापर ने उनको रास्ता

देने के लिए कहा तो युवकों ने थापर पर हमला कर दिया। गगनदीप थापर पर हमले की सूचना मिलते ही स्थानीय युवक व अन्य लोग वहां पर एकत्रित हो गये और उन्होंने वहां पर जाम लगा दिया। जाम की सूचना मिलते ही डालनवाला कोतवाल राकेश गुसांई, रायपुर थाना प्रभारी कुंदन राम, शहर कोतवाल कैलाश भट्ट पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे। लोगों का कहना था कि यहां पर आये दिन बाहरी युवकों द्वारा स्थानीय लोगों के साथ मारपीट व युवतियों के साथ अभद्रता की जाती है। जिसकी कई बार पुलिस से शिकायत करने के बाद भी पुलिस शिकायतो पर ध्यान नहीं देती है, जिससे उनके हौंसले बढ रहे हैं। घटना का पता चलते ही बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राजीव शर्मा बंटू भी मौके पर पहुंच गये और उन्होंने भी अधिवक्ता के साथ मारपीट की घटना की निंदा करते हुए पुलिस से कार्यवाही करने के लिए कहा। पुलिस द्वारा जाम लगा रहे लोगों को समझाने का प्रयास किया लेकिन लोग हमलावरों की गिरफ्तारी की मांग पर अडे रहे। जिसके बाद पुलिस ने दो हमलावरों को गिरफ्तार कर लिया। जिसके बाद लोगों ने जाम खोल दिया और उसके बाद डालनवाला कोतवाली पहुंचकर कोतवाली का घेराव कर दिया। लोगों का आरोप था कि करनपुर, डीएल रोड, आदि क्षेत्रों में बाहरी युवक आकर

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

हत्या का खुलासा, महिला केयर टेकर सहित दो गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। बुर्जुग महिला की हत्या का खुलासा करते हुए पुलिस ने महिला केयर टेकर सहित दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। जिनके कब्जे से हत्या के बाद लूटे गये जेवरात व अन्य सामान भी बरामद किया गया है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मंजूनाथ टीसी ने इस हत्या का खुलासा करते हुए बताया कि बीती 2 जुलाई को आशीष जायसवाल पुत्र हरीश चन्द्र जायसवाल निवासी वार्ड नं. 15 पंजाबी कालोनी ने किच्छा कोतवाली में तहरीर देकर बताया गया था कि 29 जून को उनके चाचा परवीन ने सूचना दी थी कि वादी की माता अपने कमरे मे मृत अवस्था में मिली है। पुलिस द्वारा उनकी माता का पंचायतनामा/पोस्टमार्ट की कार्यवाही की गयी। बाद दाह संस्कार के उनको पता चला कि उनकी माता

❑लूट के लिए दिया गया था हत्या की घटना को अंजाम, माल बरामद

के गले की सोने की चैन सहित कई जेवरात गायब थे। जानकारी की तो पता चला कि जिस रात यह घटना हुई थी उस रात मेरी माता विजय लक्ष्मी के साथ किच्छा पंत कालोनी की रहने वाली उनकी केयर टेकर अंजली शर्मा पुत्री श्रीकान्त शर्मा थी। जिस पर हमने अजली शर्मा से पूछा तो वह हमें गुमराह करने लगी। जिस पर अंजली के बार मे जानकारी की तो पता चला कि अंजली शर्मा का पंत कालोनी किच्छा में

▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

अस्पताल में भर्ती पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी की हालत स्थिर

नई दिल्ली। वरिष्ठ भाजपा नेता और पूर्व उप प्रधानमंत्री लाल कृष्ण आडवाणी की स्वास्थ्य स्थिति स्थिर है और चिकित्सकों का एक दल उनकी निगरानी कर रहा है। आडवाणी (96) को बुधवार रात करीब 9 बजे अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया था। आडवाणी को तंत्रिका विज्ञान विभाग के वरिष्ठ सलाहकार डॉ. विनीत सूरी की निगरानी में भर्ती कराया गया। रात अस्पताल में भर्ती किए जाने के बाद उनकी हालत आज स्थिर है। वह

फिलहाल तंत्रिका विज्ञान विभाग में चिकित्सकों के एक दल की निगरानी में हैं। अपोलो अस्पताल के एक सूत्र ने गुरुवार को बताया कि गत रात अस्पताल में भर्ती किए जाने के बाद लाल कृष्ण आडवाणी हालत आज स्थिर है। वह फिलहाल तंत्रिका विज्ञान विभाग में चिकित्सकों के एक दल की निगरानी में हैं। पूर्व उप प्रधानमंत्री को बुधवार रात करीब नौ बजे अपोलो अस्पताल लाया गया था। उनके साथ उनकी बेटी प्रतिभा आडवाणी थीं। इससे पहले 26 जून को भी उन्हें दिल्ली के एम्स अस्पताल में भर्ती किया गया था। इस दौरान उन्हें यूरोलॉजी डिपार्टमेंट के डॉक्टर्स की निगरानी में रखा गया था।

हाथरस हादसे के बाद प्रेमानंद महाराज ने रात की पदयात्रा की बंद

मथुरा। हाथरस में भगदड़ के दौरान 121 लोगों की मौत हो गई। इसी बीच मथुरा में प्रेमानंद महाराज ने भक्तों के हित में एक बड़ा फैसला लिया है । रोजाना तड़के निकलने वाली पदयात्रा अनिश्चितकाल के लिये बंद कर दी है। इसके बारे में पत्र जारी कर अपने भक्तों को सूचना दी है। एक चिट्ठी में कहा गया कि हाथरस में हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना बहुत ही हृदयविदारक व अत्यंत दुखद है जिसमें हम सबकी गहन संवेदनाएं परिजनों के साथ हैं। भविष्य में ऐसी कोई भी घटना न घटे ।

प्रेमानन्द महाराज रोजाना रात करीब 2:15 बजे छटीकरा मार्ग स्थित अपने आवास से पदयात्रा करते हुए परिक्रमा मार्ग स्थित अपने आश्रम श्रीहित राधा

केली कुंज पहुंचते हैं। यहां उनके प्रवचन और एकांतिक वार्ता का कार्यक्रम होता है। संत के दर्शन करने के लिये उनके आवास से आश्रम तक करीब 2 किलोमीटर तक भक्तों की भीड़ जुट जाती है। दर्शन पाने को ललियत भक्तों को संत के परिकरों द्वारा नियंत्रित किया जाता है। भीड़ के मद्देनजर पदयात्रा पर रोक लगाने का फैसला लिया गया है।

कोई भी भक्त रात्रि में दर्शन हेतु खड़े न हों इस सम्बन्ध में श्रीहित राधा केली कुंज की ओर से अपने सोशल मीडिया पेज भजन मार्ग पर अपील भी की गई है। साथ ही यह भी आग्रह किया गया है कि कोई भी भक्त रात्रि में दर्शन हेतु खड़े न हों, न ही रास्ते में किसी प्रकार की भीड़ लगाएं।

दून वैली मेल

संपादकीय

हिंदुत्व के एजेंडे पर सवाल

कहा जाता है कि समय ही सबसे बलवान होता है। 2014 के लोकसभा चुनाव जिसके चुनावी दौर में देश भर में अच्छे दिन आने वाले हैं हम मोदी जी को लाने वाले हैं कि अनुगूंज ने नरेंद्र मोदी को 2019 के चुनाव होने तक इतनी बुलंदियों पर पहुंचा दिया कि भाजपा के नेता मोदी है तो मुमकिन है के नारे के साथ मोदी को जीत की गारंटी मानने लगे। 2019 के प्रचार के दौरान चौकीदार चोर है का नारा देने वाले राहुल गांधी जिन्हें अब तक भाजपा पप्पू साबित कर चुकी थी और नेता राहुल व प्रियंका को बंटी बबली की जोड़ी बताने लगे थे को ऐसा जवाब दिया कि देशभर के लोग भी मैं भी चौकीदार हूं की हुंकार के साथ मोदी के साथ खड़े हो गए। और भाजपा को 300 के पार पहुंचा दिया। तथा राहुल गांधी को राजनीति के अखाड़े से ही बाहर करने का पुख्ता इंतजाम कर दिया। विपक्ष विहीन संसद का मंसूबा और अबकी बार 400 पार के नारे के साथ पूरे लाव लश्कर के साथ 2024 के चुनाव में जाने वाली भाजपा ने कदाचित भी यह नहीं सोचा होगा कि समय के गर्भ में ऐसा कुछ भी पल रहा होगा जो उसकी तीसरी बार जीत कर सत्ता में आने की खुशियों पर कोई बड़ा ग्रहण भी लगा सकता है। कौन राहुल और कैसा राहुल कहने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार के सामने नेता विपक्ष के रूप में खड़े राहुल गांधी अपने पहले ही भाषण में ऐसा कुछ कर गुजरेंगे कि प्रधानमंत्री से लेकर उनके तमाम दिग्गज मंत्री उनके सामने सफाईयां पेस करते दिखेंगे और गृहमंत्री शाह स्पीकर से प्रोटेक्शन की गुहार लगाते हुए यह कहते दिखेंगे की यह कैसा सदन चला रहे हैं आप? यह सब कुछ उस समय का ही कमाल है जिसका जिक्र हमने शुरुआत में किया है। कल प्रधानमंत्री मोदी ने विपक्ष के सवालों का जवाब जिस अंदाज में अपने 2 घंटे के भाषण में दिया गया अब टीवी चैनलों पर इस पर बहस हो रही है कि किसमें है कितना दम? संसद में राहुल गांधी द्वारा दिए गए उस पहले नेता प्रतिपक्ष के भाषण को 6 लाख से अधिक लोगों ने सुना वही अखिलेश के भाषण को सुनने वालों की संख्या भी 3 लाख से ऊपर रही जबकि प्रधानमंत्री के भाषण सुनने वालों की संख्या हजारों तक ही सीमित रह गई। वह टीवी चैनल जो राहुल को कवर नहीं करते थे वह पत्रकार जो उनकी खबरों को कोई तवज्जो नहीं देते थे आज सभी उनकी तारीफों के पुल बांधने में जुटे हैं। संसद में भाजपा आरएसएस और प्रधानमंत्री को यह कहने वाले राहुल का सिर्फ वही अकेले हिंदू नहीं है और न ही वह हिंदुओं के ठेकेदार है उनके भाषण का 9 सेकंड की क्लिप को आधार बनाकर भाजपा ने जिस तरह हिंदू विरोधी और हिंदुओं का अपमान करने के आरोप लगाकर अभियान छेड़ने की कोशिश की गई उसे मीडिया और देश की जनता ने फुस्स कर दिया है क्योंकि जिसने भी उनका भाषण पूरा सुना है उसमें ऐसा कुछ है ही नहीं। भाजपा के इस कृत्य पर प्रियंका गांधी ने यहां तक कहा है कि भाजपा ऐसा करके खुद यह सिद्ध कर रही है कि वह वैसा ही कर रहे है जैसा राहुल कह रहे हैं। कुल मिलाकर आज स्थिति यह है कि देश का सोशल मीडिया मोदी के वर्तमान भाषण को देश के प्रधानमंत्री के तौर पर अब तक का सबसे घटिया भाषण बताया जा रहा है। भले ही मोदी अभी अगले 20 साल सत्ता में बने रहने का दावा कर रहे हैं लेकिन विपक्ष अब संसद में उन्हें गुजरात में भी हराने की चुनौती दे रहा है क्या यह बदलते वक्त की ताकत है या कुछ और यह समय ही बताएगा।

क्षैतिज आरक्षण व राजधानी के लिए परिषद चलायेगी हस्ताक्षर अभियान

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड आंदोलनकारी संयुक्त परिषद 10 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण व स्थायी राजधानी के लिए हस्ताक्षर अभियान चलायेगी।

आज यहां उत्तराखंड आंदोलनकारी संयुक्त परिषद के प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रभात डंडरियाल और जिला अध्यक्ष सुरेश कुमार ने एक संयुक्त विज्ञप्ति जारी करते हुए बताया कि परिषद शीघ्र ही मूल निवास भू कानून 10 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण और स्थाई राजधानी के लिए हस्ताक्षर अभियान चलाएगी। उन्होंने कहा कि यह राज्य की जनता की जन भावनाएं है की गैरसैण राज्य की राजधानी बने तथा राज्य का चौमुखी विकास हो साथ ही भू कानून को शक्ति से लागू कराया जाए 1950 से मूल निवास को माना जाए। उत्तराखंड आंदोलनकारी संयुक्त परिषद आशा करती है कि जनता उनके इस अभियान को सफल बनाकर हस्ताक्षर अभियान में अवश्य अपना सहयोग पूर्णता देगी।

वि क्रोशनासो विष्वञ्च आयन्पचाति नेमो नहि पक्षदर्धः।
अयं मे देवः सविता तदाह द्वुन्न इद्वनवत्सर्पिरन्नः।।
(ऋग्वेद १०-२७-१८)

सभी दिशाओं से आत्माएं इस संसार में आती हैं। कुछ परिपक्व होती हैं और कुछ नहीं होती है। वानस्पतिक गौघृत आदि का भोजन करने वाला प्रभु का उपासक होता है। जो मांसाहारी है वह प्रभु का उपासक हो ही नहीं सकता। हम शाकाहारी भोजन करें, प्रभु का स्मरण करें और उत्तम कर्म करें। हमें अपने आप को परिपक्व करना चाहिए।

नंदा गौरा योजना के अंतर्गत प्राप्त ऑनलाइन आवेदनों को चयन समिति के समक्ष प्रस्तुत किया

कार्यालय संवाददाता

रुद्रप्रयाग। नंदा गौरा योजना के अंतर्गत प्रत्येक शिशु के जन्म पर 11 हजार की धनराशि उपलब्ध कराने के लिए मुख्य विकास अधिकारी डॉ. जीएस खाती की अध्यक्षता में विकास भवन कार्यालय कक्ष में जिला स्तरीय चयन समिति की बैठक आयोजित की गई। जिसमें प्राप्त ऑनलाइन आवेदनों को चयन समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

मुख्य विकास अधिकारी ने जिला कार्यक्रम अधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि नंदा गौरा योजना राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य कन्या भ्रूण हत्या पर रोक लगाना, बाल विवाह रोकना, समाज में लैंगिक असमानता को दूर करना, सामाजिक असमानता को दूर करना, कन्या शिशु को परिवार में सामाजिक एवं आर्थिक सुरक्षा प्रदान करना, संस्थागत प्रसवों को प्रोत्साहित करना, उन्हें उच्च शिक्षा हेतु प्रोत्साहित करना है। उन्होंने कहा कि इस उद्देश्य को पूर्ण करने के लिए जनपद में जन्में सभी कन्या शिशु को इसका लाभ अनिवार्य रूप से उपलब्ध हो, ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति इस योजना से वंचित न रहे। उन्होंने यह भी कहा कि इस योजना के अंतर्गत शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का शत प्रतिशत पालन करते हुए सभी अभिलेखों जिसमें जन्म प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, स्थाई निवास आदि का ठीक प्रकार से परीक्षण करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने इस योजना के तहत विकासखंड वार प्राप्त ऑनलाइन आवेदनों के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने यह भी निर्देश दिए हैं कि कोई भी कन्या शिशु इस योजना का लाभ लेने से वंचित न रहे। इसके लिए जिन आवेदकों द्वारा आवेदन नहीं किया जा सका है। इसके लिए योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करते हुए ऐसे लाभार्थियों से पुनः आवेदन प्राप्त करने के भी निर्देश दिए।

जिला कार्यक्रम अधिकारी बाल विकास अखिलेश मिश्र ने मुख्य विकास अधिकारी को अवगत कराया है कि नंदा गौरा योजना के अंतर्गत जनपद में कुल 57 आवेदन ऑनलाइन प्राप्त हुए हैं। जिसमें विकासखंड अगस्त्यमुनि से 38 आवेदन-पत्र, जखोली से 10 तथा ऊखीमठ से 09 आवेदन पत्र ऑनलाइन प्राप्त हुए हैं। उन्होंने बताया कि गौरा कन्या धन योजना के अंतर्गत कन्या शिशु जन्म पर 11 हजार की धनराशि, बालिका के कक्षा 12वीं उत्तीर्ण कर स्नातक/डिप्लोमा में प्रवेश एवं अविवाहित होने पर 51 हजार की धनराशि उपलब्ध कराई जाती है। इस योजना का लाभ एक परिवार की दो जीवित बालिकाओं को ही दिया जाएगा तथा इसकी मुख्य अर्हताएं कन्या शिशु माता-पिता उत्तराखंड राज्य के स्थाई निवासी होने चाहिए तथा परिवार की मासिक आय 6 हजार तक होनी चाहिए। जिसकी वैद्यता एक वर्ष ही मान्य होगी। कन्या शिशु का जन्म सरकारी अस्पताल/निजी अस्पताल/एएनएम सेंटर तथा ग्रामीण क्षेत्र जहां अस्पताल की सुविधा उपलब्ध नहीं है पर प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मी द्वारा ही प्रमाण पत्र होना चाहिए। आवेदन पत्र के साथ माता-पिता का पेन कार्ड, आधार कार्ड की छायाप्रति संलग्न की जानी आवश्यक है। नजदीकी सीएससी सेंटर से ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है।

बैठक में परियोजना निदेशक विमल कुमार, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विमल गुसाईं, जिला शिक्षा अधिकारी प्रारंभिक अजय कुमार चौधरी, परियोजना अधिकारी बाल विकास अगस्त्यमुनि शैली प्रजापति, ऊखीमठ देवेश्वरी कुंवर, जखोली हिमांशु बडोला सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

मकान का ताला तोड़ नगदी व जेवरात चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने मकान का ताला तोडकर वहां से नगदी व जेवरात चोरी कर लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार अमन विहार निवासी इन्द्रजीत सिंह ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह परिवार के साथ बाहर गया था। आज जब वह वापस आया तो उसने देखा कि उसके मकान का ताला टूटा हुआ था तथा अन्दर सारा सामान बिखरा हुआ था। चोर उसके यहां से जेवरात, नगदी व मोबाइल फोन चोरी करके ले गये हैं।

दो किशोरियां लापता

संवाददाता

देहरादून। दो किशोरियों के लापता होने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सौडा सरोली निवासी व्यक्ति ने रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी नाबालिग बेटी अपनी सहेली के घर गयी थी तथा वहां से दोनों कहीं चले गये। उसके व परिवार के लोगों द्वारा दोनों को काफी तलाश किया गया लेकिन उनका कुछ पता नहीं चल सका है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी।

3 किलो गांजे सहित दो गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। धर्मनगरी में नशा तस्करी कर रहे दो लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिनके कब्जे से 3 किलो गांजा व तस्करी में प्रयुक्त बाइक भी बरामद की गयी है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज थाना सिडकुल पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में कुछ नशा तस्कर नशीले पदार्थो की डिलीवरी हेतू आने वाले है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान पुलिस को होमवाली रोड सीको कंपनी तिराहे के समीप बाइक सवार दो संदिग्ध आते हुए दिखायी दिये। पुलिस ने जब उन्हे रूकने का इशारा किया तो वह बाइक मोड़कर भागने लगे। इस पर उन्हे घेर कर रोका गया। तलाशी के दौरान उनके पास से 3 किलो गांजा बरामद हुआ। पूछताछ में उन्होने अपना नाम म पता आरोपी कुलदीप कुमार व बाबूराम निवासी सम्राट मार्केट रावली महदूद थाना सिडकुल बताया। पुलिस ने उनके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उन्हे न्यायालय में पेश किया जहां से उन्हे जेल भेज दिया गया है।

सगाई के बाद कार मांगने पर सात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

देहरादून (सं)। सगाई के बाद दहेज में कार मांगने पर पुलिस ने सात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार कारगी ग्रांट निवासी जाकिर अंसारी ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी बेटी की शादी सहारनपुर निवासी मौहम्मद अली के साथ तय हुई थी। दोनों की सगाई भी हो गयी थी। लेकिन सगाई के बाद मौहम्मद अली व उसके परिवार के लोग दहेज में कार की मांग करने लगे। उसके काफी समझाने के बाद भी वह अपनी मांग पर अडे रहे कि अगर कार नहीं दोगे तो शादी तोड देंगे। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

केवल कानून से नहीं बंद होगी धांधली

विराग गुप्ता

अनेक अपराधी जेल से लोकसभा का चुनाव जीते हैं। उन्हें जीत का सर्टिफिकेट न मिले और वे शपथ ग्रहण नहीं करें, तो क्या उन्हें सांसद की मान्यता और वेतन आदि मिलेगा? इसका जवाब नहीं है। परीक्षाओं में धांधली रोकने के लिए केंद्र सरकार ने जिस कानून को आधी रात को लागू किया है, उसे इसी तरीके से समझने की जरूरत है। इसे चार माह पहले ही संसद के साथ राष्ट्रपति की स्वीकृति मिल गयी थी। नीट और अन्य कुछ परीक्षाओं में धांधली के हो रहे खुलासे और अनेक परीक्षाओं के रद्द होने से जब पानी नाक के ऊपर आ गया, तो सरकार ने नये कानून के ब्रह्मास्त्र का इस्तेमाल किया है। मजेदार बात यह है कि इसकी धारा 17 के तहत कानून मंत्रालय ने अभी विस्तृत नियम नहीं बनाया है। उनके बगैर यह कानून बिना बारूद दिखावटी तोप जैसा है। इसे एक और तरीके से समझते हैं। डेटा सुरक्षा का कानून पारित होने के बावजूद नियम न बनने की वजह से ठंडे बस्ते में पड़ा है। नये कानून के साथ नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) में सुधार के लिए एक उच्च स्तरीय समिति गठित की गयी है, जिसे दो माह में रिपोर्ट देनी है। जिन्होंने श्रीलाल शुक्ल का 'राग दरबारी' पढ़ा है, उन्हें पता है कि भारत में मामले को टालने के लिए समिति बनाना परंपरागत और कारगर हथियार है। कानूनों में पहले ही नकल, भ्रष्टाचार, फर्जीवाड़ा और संगठित अपराध रोकने के लिए प्रावधान हैं, जिनके तहत अभी पुलिस मामले दर्ज कर रही है। नये कानून के तहत परीक्षा आयोजित करने वाली एजेंसी या सर्विस प्रोवाइडर पर एक करोड़ रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। सर्विस प्रोवाइडर संगठित अपराध करे, तो न्यूनतम पांच और अधिकतम दस साल की जेल हो सकती है। परीक्षा केंद्र में गड़बड़ी करने पर चार साल के लिए केंद्र को निलंबित किया जा सकता है। संबंधित अधिकारियों को लोक सेवक का दर्जा मिलने की वजह से उनके खिलाफ आपराधिक साजिश के साथ भ्रष्टाचार का मामला भी चल सकता है। बंबई हाइकोर्ट के नये फैसले के अनुसार, 2015 के कानून से काले धन के पुराने मामलों में कार्रवाई करना संविधान के अनुच्छेद 20 का उल्लंघन है। इसलिए नये कानून से पुराने अपराधों की जांच कैसे होगी, इस बारे में भी कानूनी विवाद की स्थिति है। इस कानून के दायरे में यूपीएससी, एसएससी, रेलवे, बैंकिंग और एनटीए द्वारा आयोजित परीक्षाएं आयेंगी। इसलिए लोक सेवा आयोग और बोर्ड आदि की नौकरियों और परीक्षाओं में धांधली को रोकने के लिए राज्यों को नये मॉडल कानून के अनुसार नये सिरे से कानून बनाने होंगे। कई राज्यों में ऐसे कानून पहले से हैं। उड़ीसा में 1988, आंध्र प्रदेश में 1997, उत्तर प्रदेश में 1998, झारखंड में 2001, छत्तीसगढ़ में 2008, राजस्थान में 2022, गुजरात और उत्तराखंड में 2023 में नकल और धांधली रोकने के लिए कानून बनाये गये हैं।

उत्तर प्रदेश में नकल रोकने के लिए एसटीएफ ने कमान संभाल ली है। परीक्षा केंद्रों में सीसीटीवी, कैमरा, वॉइस रिकॉर्डर, राउटर, वेब टेलीकास्ट आदि को दुरुस्त रखना होगा। नयी नीति के अनुसार निजी कंपनियों और परीक्षा केंद्रों के लिए एसटीएफ की मंजूरी जैसे सख्त प्रावधान हैं। इसमें नकल और एग्जाम माफिया गड्डमड्ड कर परीक्षार्थियों पर नियमों का बोझ डालने से चीजें बिगड़ सकती हैं। सुप्रीम कोर्ट में इस मामले में आठ जुलाई को सुनवाई होगी, पर पिछली बार जजों ने साफ कर दिया था कि परीक्षाओं में 0।001 फीसदी गड़बड़ी भी बर्दाश्त नहीं होगी। अगर भ्रष्ट तरीके से परीक्षा पास किये लोग डॉक्टरी के पेशे में आ गये, तो फिर समाज की कितनी दुर्दशा होगी। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान अब किस्तों में गलतियों और गड़बड़ी को स्वीकार कर रहे हैं। साल 2004 में 13 और 2015 में 44 परीक्षार्थियों को पर्चा लीक होने पर एआईपीएमटी ने परीक्षा को रद्द कर दिया था। लेकिन नीट में बड़ी धांधली के सबूत आने के बावजूद परीक्षा रद्द करने से सरकार इंकार कर रही है।

बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने राजद नेता तेजस्वी यादव को कटघरे में खड़ा करते हुए पेपर लीक को तो मान ही लिया है। डार्क नेट में पर्चा मिलने पर सरकार ने नेट की परीक्षा रद्द कर दी। अब नेट की धांधली के तार नीट से भी जुड़े मिल रहे हैं, तो नीट परीक्षा को रद्द कर नयी परीक्षा कराने की मांग हो रही है। नालंदा विश्वविद्यालय के पुनर्निर्माण के साथ एनटीए जैसे आधुनिक संस्थानों पर युवाओं का भरोसा बरकरार रखने पर ही विकसित भारत का निर्माण हो सकेगा। नीट की पूरी परीक्षा रद्द करने की बजाय स्थानीय स्तर पर दोषियों को चिह्नित और दंडित करने के लिए इन चार उपायों पर अमल करने की जरूरत है। पहले आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के इस्तेमाल से सभी संदिग्ध छात्रों, अभिभावकों, कोचिंग संस्थानों, परीक्षा केंद्रों, नकल माफिया और एनटीए अधिकारियों की पहचान एक दिन में पूरी हो। अगले दिन सीबीआई और ईडी उनके बैंक खातों की जांच और उनका नार्को टेस्ट कराये। जैसे छोटे-छोटे मामलों में मीडिया ट्रायल होता है, वैसे ही नीट मामले में पारदर्शिता के साथ कारवाई का सीधा प्रसारण और रिपोर्टिंग हो। तीसरे चरण में दागी लोगों की संपत्ति की कुर्की हो। नये कानून के प्रावधानों के अनुसार छात्रों को हुए आर्थिक नुकसान की भरपाई नकल माफिया और लापरवाह अधिकारियों के खातों और संपत्ति से होनी चाहिए। नीट मामले में यह बयान कि मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित होने की वजह से सरकार अदालत के आदेश का पालन करेगी, हास्यास्पद और शर्मनाक है। इस फॉर्मूले के अनुसार तो अदालत में लंबित सभी मामलों से सरकार को पल्ला झाड़ लेना चाहिए। जिन अपराधियों का संगठित तंत्र होता है और उन्हें नेताओं का प्रश्रय मिलता है, उनके सामने कानून के लंबे हाथ बहुत छोटे पड़ जाते हैं। कानून कितनी तेजी से काम कर सकता है, इसकी एक मिसाल आंध्र प्रदेश के मामले में देखी जा सकती है। पूर्व मुख्यमंत्री जगन रेड्डी की पार्टी वाईएसआर कांग्रेस के ऑफिस को भोर में चंद्रबाबू नायडू सरकार ने बुलडोजर से ढाह दिया। गौरतलब है कि आंध्र प्रदेश एनडीए सरकार में भाजपा भी भागीदार है। जिस तरह से नेताओं के व्यक्तिगत हितों के मामलों में कानून बिजली की रफ्तार से काम करता है, वैसी ही इच्छाशक्ति से नीट के गुनहगारों को कुचलने की जरूरत है। उसके बाद ही नये कानून सफल होंगे और हमारी परीक्षा प्रणाली दुरुस्त होगी। (ये लेखक के निजी विचार हैं।)

अंग्रेजों के जमाने से भी ज्यादा खतरनाक हैं नए आपराधिक कानूनः माले

संवाददाता

लालकुंआ। नए क्रिमिनल कोड के खिलाफ भाकपा-माले कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन का नए कानूनों की प्रतियां जलायी।

आज यहां मोदी सरकार के नए क्रिमिनल कोड के खिलाफ प्रतिवाद करते हुए भाकपा-माले की ओर से कानूनों की प्रतियां जलाकर विरोध व्यक्त किया गया। माले जिला सचिव डा कैलाश पाण्डेय ने इस अवसर पर कहा कि, नए आपराधिक कानून भारत को एक पुलिस राज्य में बदल देंगे। इसे हम एक संस्थागत स्थायी आपातकाल कह सकते हैं जहां पुलिस के पास मनमानी शक्तियां होंगी और असहमत नागरिकों पर जेल जाने का स्थायी खतरा होगा। नए क्रिमिनल कोड नागरिक स्वतंत्रता और अधिकारों का हनन करने और सरकारी दमन बढ़ाने के औजार मात्र हैं। इन पर तत्काल रोक लगनी चाहिए। ये कानून अंग्रेजों के जमाने से भी ज्यादा खतरनाक हैं। उन्होंने कहा कि समाज के विभिन्न तबकों और न्याय पसंद नागरिकों के बीच इन तीन नए फौजदारी संहिताओं भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम को लेकर गम्भीर चिंता हैं। इन तीनों संहिताओं में (जो क्रमशः भारतीय दंड संहिता 1860, दंड प्रक्रिया सहित 1973 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम 1872 का स्थान लेंगी) मूलभूत नागरिक स्वतंत्रता जैसे बोलने, हक-अधिकार के लिए आवाज उठाने, प्रदर्शन की स्वतंत्रता और अन्य नागरिक अधिकारों को अपराध की श्रेणी में लाने वाले कठोर कानूनों का प्रावधान है। भूख हड़ताल को भी अपराध बना दिया गया है। जबकि नए नामकरण के साथ कुख्यात राजद्रोह कानून भारतीय दंड संहिता आईपीसी की धारा 124 ए को कायम रखा गया है। अखिल भारतीय किसान महासभा के प्रदेश अध्यक्ष आनंद सिंह नेगी ने कहा कि, नए कानूनों के जरिए पुलिस को अनियंत्रित शक्तियां दे दी गई हैं जिनका देश में नागरिक स्वतंत्रता और मानवाधिकारों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। नागरिक सुरक्षा संहिता कानून के तहत अब जनता के सवालों को लेकर सरकार के खिलाफ आवाज उठाना भी जुर्म हो गया है।

उन्होंने कहा कि, सबसे गंभीर यह है कि पुलिस अभिरक्षा की अवधि को वर्तमान 15 दिन से बढ़ाकर 60 या 90 दिन कर दिया गया है। किसी गिरफ्तार आरोपी का नाम, पता और अपराध की प्रवृत्ति का पुलिस स्टेशन और जिला मुख्यालय पर भौतिक एवं डिजिटल प्रदर्शन किया जाएगा। इसका मतलब है भाजपा सरकार जनता की आवाज को खामोश करने के लिए दमन और तेज करना चाहती है। भाकपा माले ने मांग की कि, केंद्र सरकार इन तीन फौजदारी कानून को लागू करने का निर्णय स्थगित करे और उन्हें संसद में फिर से पेश करे ताकि इनकी सही जांच-परख हो सके और इन पर चर्चा हो सके। माले ने राष्ट्रपति से हस्तक्षेप करते हुए इन कानूनों को रद्द करने की मांग भी की। प्रतिरोध में डा. कैलाश पाण्डेय, आनंद सिंह नेगी, ललित मटियाली, विमला रौथाण, पुष्कर दुबड़िया, निर्मला शाही, कमल जोशी, धीरज, अजय, आयशा आदि शामिल रहे।

अमर शहीद मेजर दुर्गा मल्ल की मूर्ति पर माल्यार्पण कर शहीदों को किया याद

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। 84 उत्तराखंड वाहिनी एनसीसी, रुड़की के एनसीसी कैडेट्स द्वारा कमान अधिकारी कर्नल रामाकृष्णन रमेश के दिशा निर्देशन में आज 'कारगिल विजय दिवस, की रजत जयंती के उपलक्ष्य में आजाद हिंद फौज के सिपाही, अमर शहीद मेजर दुर्गा मल्ल की मूर्ति पर माल्यार्पण किया गया व 'भारत माता की जय' के जयकारे लगाए।

इस अवसर पर बटालियन के प्रशिक्षण अधीक्षक रवि कपूर द्वारा बताया गया कि आज के दिन कारगिल युद्ध मे अपने प्राणों की आहुति देने वाले परमवीर चक्र विजेता कैप्टन मनोज कुमार पांडेय का बलिदान दिवस है। कारगिल युद्ध के नायक की शौर्य गाथा का व्याख्यान करते हुए उन्होंने बताया कि मनोज कुमार पांडेय को हीरो ऑफ बटालिक भी कहा जाता है। कैप्टन मनोज कुमार पांडेय एक भूतपूर्व एनसीसी कैडेट थे व सन 1990 में उन्हें एनसीसी निदेशालय उत्तर प्रदेश में जूनियर डिवीजन का बेस्ट एनसीसी कैडेट चुना गया था। एनडीए से पास होने के उपरांत 1/11 गोरखा राइफल्स में कमीशंड हुए कैप्टन मनोज कुमार पांडेय कारगिल युद्ध के कठिन मोर्चो में से एक खालूबार पर तिरंगा फहराकर 24 वर्ष की उम्र में देश को अपनी वीरता का उदाहरण दे गए । इस अवसर पर एनसीसी कैडेट्स रुद्र प्रताप सिंह, आदित्य राणा, निखिल राणा, मुस्कान राजपूत, यशी, आयुषी, श्रुति, रजत रावत, शिवेन, प्रिया कोरी, सृस्टि, प्रभाकर बडोला, सलोनी, योगेंद्र आदि उपस्थित रहे।

बरसात की शुरुआत में ही स्मार्ट सिटी की झड़ गई स्मार्टनेसः धस्माना

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस कमेटी के प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने कहा कि हजारों करोड़ रुपए लगा कर बहुप्रचारित देहरादून स्मार्ट सिटी की सारी स्मार्टनेस बरसात की शुरुआत में ही झड़ गई।

आज यहां उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने अपने कैंप कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में कहा कि हजारों करोड़ रुपए लगा कर बहुप्रचारित देहरादून स्मार्ट सिटी की सारी स्मार्टनेस बरसात की शुरुआत में ही झड़ गई। उन्होंने कहा कि पिछले पांच वर्षों से राजधानी देहरादून को स्मार्ट सिटी बनाने के नाम पर पूरे शहर को खोद डाला गया, कहीं सड़कें खुदीं तो कहीं सीवर लाइन तो कहीं पानी की लाइन और जगह जगह सड़कों के चौड़ीकरण के नाम पर पेड़ों को काटा गया और खूब ढिंढोरा पीटा गया कि देहरादून को स्मार्ट बनाया जा रहा है किंतु आज पांच वर्ष बाद जब स्मार्ट सिटी को बरसात शुरू होते ही देखा तो पाया कि सरकार, जिला प्रशासन जिसके जिलाधिकारी सीईओ स्मार्ट सिटी हैं, नगर निगम जिसके मेयर अध्यक्ष हैं इन सबके दावे धरे के धरे रह गए जब कुछ घंटों की बारिश में सारा शहर जल मग्न हो गया और ऊपरी राजपुर से लेकर आईएसबीटी, सहारनपुर रोड, प्रिंस चौक, आर्यनगर, डी एल रोड, डालनवाला, हरिद्वार बाई पास रोड, शिमला रोड और शहर का कोई इलाका नहीं बचा जहां जल भराव नहीं हुआ हो। धस्माना ने कहा कि अनेक इलाकों में पानी लोगों के घरों व व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में घुस गया और अब सरकार शासन प्रशासन के पास कोई जवाब नहीं है। धस्माना ने कहा कि शहर में बहने वाली दो प्रमुख ईस्ट कैनाल व वेस्ट कैनाल भूमिगत कर दी गईं लेकिन जो बरसाती पानी का भार वो वहन करती थीं उसका कोई विकल्प नहीं बनाया गया जिसके कारण अब बरसाती पानी सड़कों में भर जाता है और शहर के अधिकांश इलाकों में जल भराव का संकट पैदा हो गया। कहा कि लोकसभा चुनाव से पहले प्रधानमंत्री के ड्रीम प्रोजेक्ट के रूप में प्रचारित स्मार्ट सिटी के नाम पर कई सौ करोड़ रुपए शहर की पुताई व दुकानों पर घटिया बोर्ड लगाने के नाम पर खपा दिए गए लेकिन शहर में जल निकासी का कोई इंतजाम नहीं किया गया जिसका नतीजा अभी सामने आने लगा है। धस्माना ने कहा कि स्मार्ट सिटी के नाम पर बड़ा घोटाला किया गया है जिसका पर्दाफाश तभी हो सकता है जब इसकी सीबीआई जांच करवाई जाए।

अस्तित्व के संघर्ष के साथ बढ़ता शरणार्थी संकट

नवनीत शर्मा

'अपनी माटी' की संकल्पना शायद घुमंतु जीवन के अवसान के साथ ही शुरू हुई होगी। इसी संकल्पना के विस्तारण ने अपनी गली, मोहल्ला, गांव, देस-परदेस की अवधारणाओं को जन्म दिया। बसने के लिए एक खोह या कंदरा भी घर के नाम से सुशोभित होती है और कोई घर अपने निवासियों को नहीं निकालता और यदि निकालता है तो उसे सीमांत पर ले जाकर पलायन करने को मजबूर करता है। पलायन का शब्द और संगीत दोनों ही वीभत्स भाव पैदा करते हैं। पलायन के साथ ही व्यक्ति न केवल बेघर हो निराश्रित हो जाता है, साथ ही वैयक्तिक नागरिकता खो शरणार्थी के सर्वनाम में तब्दील हो जाता है। शरणागत की रक्षा करने वालों की प्रशंसा में अनेकों वीरगाथाएं हैं पर शरणागत होना हमेशा ही एक अभिशाप रहा है। अपना और अपनों की जीवन रक्षा के लिए किया गया पलायन हमेशा रणछोड़ बनाता है, कमजोर नहीं।

दुनिया भर में अस्मिता और अस्तित्व की लड़ाई हमेशा ताकत और वर्चस्व से तय हुई, जिसमें अल्पसंख्यक और हाशिये के लोग या तो हताहत हुए अथवा पलायन करने को मजबूर हुए। इस समय दुनिया भर में लगभग बारह करोड़ 'वैध' शरणार्थी हैं। इनमें अवैध शरणार्थियों की संख्या नहीं जोड़ी जा सकती क्योंकि उन्हें कोई नहीं गिनता, न पलायन को मजबूर करने वाला देश, न ही शरण देने वाला देश। ये शरणार्थी तो वे हैं जो राजनीतिक, धार्मिक, भौगोलिक, सामाजिक, आर्थिक, भाषायी, नस्लीय, जातीय, रंग, यौनिकता इत्यादि चिह्नित भेदों की वजह से पलायन करते हैं। अपने ही देश में 'परदेसी' होने की व्यथा हम ने कोरोना काल में सड़कों पर पैदल चलते देखी है। जीवन, सुरक्षा और बेहतर कल की आस लिए सैकड़ों लोग अपने घरों से भागते हैं।

इस संख्या का एक तिहाई हिस्सा उस पीढ़ी का है जो अभी 18 बरस की भी नहीं हुई। ये वे नाबालिग हैं जिन पर वैध वयस्क नागरिक होने से पहले ही शरणार्थी होने का ठप्पा लग जाता है। इस आबादी में बहुत-से अबोध तो देश और भूगोल के बीच अंतर भी नहीं कर पाते। 12 करोड़ विस्थापितों में लगभग 68 प्रतिशत अपने ही देश में इस दंश से पीड़ित हैं तो लगभग चार करोड़ राष्ट्र के स्तर पर शरणार्थी हैं। 60 लाख की जनसंख्या राजनीतिक शरणार्थी के दर्जे के लिए कतार में है और 50 लाख लोग अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा की गुहार लगा रहे हैं।

जिस दुनिया में पूरी आबादी की तुलना में दोगुनी बंदूक की गोलियों का निर्माण और खपत हो, वहां कौन कब तक परलोक से यहां शरणार्थी है, कहा नहीं जा सकता। इन शरणार्थी-विस्थापित लोगों को घुसपैठिया करार देकर एक अलग तरह की राजनीति भी जन्म लेती है जिससे एक अलग तरह का उग्र राष्ट्रवाद पनपता है। लडऩा हमेशा पर्याय रहा है भागने का, भागना विपर्यय है और मानवजीवन की मानवरचित विद्रूपता भी।

नदी की बाढ़ की चपेट से भागे हुए व्यक्ति और युद्ध की चपेट से भागे हुए व्यक्ति में एक बड़ा अंतर होता है। बाढ़ का उन्माद उतर सकता है, युद्ध और विभेदीकरण का उन्माद केवल स्वरूप बदल सकता है, मिटता नहीं है। पलायन को मजबूर व्यक्ति की खलनायक के प्रति हिंसा और नफरत पनपती है और हिंसा प्रतिहिंसा को जन्म देती है। यह खलनायक प्राय: भिन्न देश, धर्म, रंग, नस्ल, जाति, भाषा के होते हैं और पलायनकर्ता केवल उस खलनायक से ही नहीं अपितु उसकी पूरी सभ्यता और संस्कृति के खिलाफ लडऩे का भाव रखता है। पलायन से अभिशप्त व्यक्ति अपनी वैयक्तिक नागरिकता की खोज में हर सामूहिक अस्मिता या पहचान का परस्पर विरोध करता है।

शरणार्थी व्यक्ति अवसाद, कुंठा, प्रतिकार इत्यादि मनोभाव लेकर नई जमीन की तलाश में होता है। धान और आदमी में शायद यही अंतर है। धान का बेहन लगता है जबकि अपनी जड़-जमीन से उखाड़ा हुआ व्यक्ति कहीं और नहीं पनप पाता, क्योंकि उसके सपनों का भूगोल उसे वह जलवायु नहीं देता जहां से वह पलायन करके निकला था। शरणार्थी बच्चों के सपने में उसके वर्तमान और उसके मां-बाप के अतीत के देश-जलवायु में फर्क होता है जो उसे कहीं का स्पष्ट सपना नहीं देखने देता। कुछ देश शरणार्थी अथवा पलायनकर्ता को न चाहते हुए भी उनको पहले की तरह बसने में सहायता करते हैं और कुछ देश उन्हें घुसपैठिया कह कर भगाने के बारे में विचार करते हैं।

कुछ देशों के विराटमना होने से मामला नहीं सुलटेगा। सभ्यताओं के टकराव के सभ्यतापूर्वक हल की गुंजाइश ही इस संतप्तता से बचा सकती है। संयुक्त राष्ट्र जैसी संस्थाएं 'मुहाजिरों' को रिहायश तो मुहैया करा सकती हैं, पर वतन की सरजमीं नहीं। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

आंखों के मेकअप करने के लिए अपनाएं ये सरल तरीके, दिखेंगी सबसे खूबसूरत

अच्छी तरह किया गया आई मेकअप आपके पूरे लुक में चार चांद लगा सकता है। घर से बाहर जाते समय अपनी आखों पर केवल आई लाइनर या मस्कारा लगाने से ही आपकी आखें बड़ी और आकर्षक दिखाई दे सकती हैं।चाहे ऑफिस जाना हो, दोस्तों से मिलना हो या किसी पार्टी में शिरकत देनी हो, आखों का मेकअप आपको सबसे अलग और खूबसूरत दिखने में मदद कर सकता है।आप इन 5 मेकअप टिप्स के जरिए अपना आई मेकअप करें।

भौहों को दें आकार

अपनी आंखों के मेकअप को बेहद सुंदर दिखाने के लिए सबसे जरूरी कदम है अपनी भौहों को सही आकार देना।किसी पार्लर में जा कर ब्यूटीशियन की मदद से अपने भौहों के सही आकार को समझें और अपने चहरे के आकार के अनुसार ही भौहों को शेप करवाएं।आप ऐसा करने के लिए वैक्सिंग, थ्रेडिंग या शेविंग का सहारा ले सकते हैं। मेकअप से पहले भौहों को अच्छा दिखाने के लिए आइ-ब्रो पेंसिल का इस्तेमाल करें।

इस्तेमाल करें ट्रांसपेरेंट मस्कारा

ट्रांसपेरेंट मस्कारा कम पसंद किया जाता है, लेकिन यह आपकी भौहों और पलकों को निखारने में मदद कर सकता है।अपनी भौहों को सही जगह पर सेट करने और प्राकृर्तिक रंग प्रदान करने के लिए उन पर ट्रांसपेरेंट मस्कारे का एक कोट लगाएं।साथ ही आप इस उत्पाद को अपनी पलकों पर भी उपयोग कर सकते हैं। अपनी पलकों को लंबा और घना दिखाने के लिए इसकी 2 से 3 कोट लगाएं।

आई लैश कर्लर से पलकों को बनाएं घना

पलकों को कर्ल करना आपकी आंखों को तुरंत आकर्षक दिखाने का एक सरल लेकिन प्रभावी तकनीक है। आई लैश कर्लर एक सौंदर्य उत्पाद है, जो पलकों को घना और लंबा दिखाने में मदद करता है।अपनी पलकों को ऊपर उठाने के लिए एक आई लैश कर्लर का उपयोग करें। पलकों को आई लैश कर्लर में सेट करके उसे हल्के से दबाएं और बाहर की ओर खीचें।आप खूबसूरत दिखने के लिए सनसेट आई मेकअप लुक ट्राई कर सकती हैं।

काजल को हल्का सा फैलाएं

काजल या सुरमा भारतीय मेकअप रूटीन का एक बेहद जरूरी हिस्सा होता है। आप काजल को हल्का सा फैलाकर अपने लुक को और शानदार बना सकती हैं।स्मजिंग की कला में महारत हासिल करने के लिए, अपनी आंखों के बाहरी कोनों पर ध्यान केंद्रित करते हुए लैश लाइन पर काजल लगाना शुरू करें।अब एक साफ और छोटे स्मजिंग ब्रश का उपयोग करके काजल को धीरे से बाहर की ओर ब्लेंड करें। इससे आपको एक स्मोकी और बोल्ड लुक मिलेगा।

अंत में लगाएं सेटिंग पाउडर

कई बार आई मेकअप पसीने और अन्य कारकों के कारण देर तक नहीं टिक पता। आप अपने आई मेकअप को पूरे दिन टिकाना चाहती हैं तो सेटिंग पाउडर का इस्तेमाल करें।काजल या आईलाइनर लगाने के बाद एक मुलायम ब्रश का उपयोग करके आखों पर हल्का सा सेटिंग पाउडर लगाएं। यह कदम लाइनर को अपनी जगह पर सेट रखने में मदद करेगा।आप गर्मियों में अपने मेकअप को केकी होने से रोकने के लिए ये टिप्स अपनाएं।(आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -131

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. कतार, क्रम, पांत 2. लज्जत, जायका 4. कारण, वजह 7. सुंदर प्रतीत होना, सुखद होना 8. घोड़े आदि का मल 9. अक्सर, ज्यादातर 10. चक्की में पीसना, मसलना, कुचलना 12. धनुष, फौजी टुकड़ी 13. आभूषण, जेवर 15. लहरों का चक्कर, जलावर्त, भ्रमर 17. बायां, विरुद्ध 18. गाना, नगमा 19. लाचार, विवश 22. नमन, प्रणाम 25. चौकी, थाना 26. इकरार, समझौता, ठेका 27. अधिकार होना, सामर्थ्य होना (मुहा.)।

ऊपर से नीचे

1. एक प्रदेश जिसकी राजधानी चंडीगढ़ है 2. हविर्दान के समय उच्चारित एक शब्द, भष्म 3. दन-दन करते हुए 5. बलशाली, बलवाला 6. परिवर्तित करना, पहले से भिन्न हो जाना 7. चांद, चंद्रमा, रजनीश 11. अप्रिय, अरुचिकर 14. मैं का बहुवचन 15. भंगेड़ी, भंग करने वाला, झाड़ू लगाने तथा मैला साफ करने वाली 16. मातृभूमि, स्वदेश 19. मक्खन, माखन 20. बुढ़ापा, धन, ज्वर 21. टालना, हटाना, बहाना करके हटाना 23. सीमा, हद 24. सौ का पाचंवा हिस्सा 25. घोड़े के पैरों में लगाने का लोहे का टुकड़ा, पौधे आदि का डंठल।

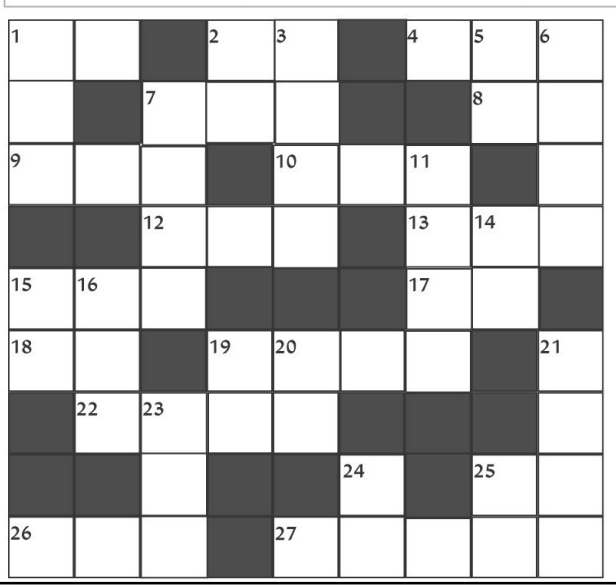

शब्द सामर्थ्य क्रमांक130 का हल

वि	ज	य	■	ब	नि	या	■	दे
वा	■	ती	त	र	■	रा	जी	व
ह	मा	म	■	स	प	ना	■	ता
■	न	■	■	■	टा	■	■	■
दा	व	त	■	वि	ना	श	■	अ
य	■	ह	त्या	■	■	ह	र्जा	ना
रा	ह	त	■	न	ज	र	■	व
■	वा	■	■	■	मी	■	ना	श्य
दु	ला	रा	■	जा	न	की	■	क

बॉक्स ऑफिस पर कल्कि ने लगाया चंदू चैंपियन की कमाई पर ब्रेक!

कार्तिक आर्यन की 'चंदू चैंपियन' को दर्शको से अच्छा रिस्पॉन्स मिला है. फिल्म ने रिलीज के दो हफ्ते में बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ बनाए रखी और अच्छा कलेक्शन भी किया. हालांकि गुरुवार, 27 जून को प्रभास स्टारर कल्कि 2898 एडी की रिलीज के बाद से 'चंदू चैंपियन' के कारोबार पर काफी असर पड़ा है और इसकी कमाई लाखों में सिमट गई है.'चंदू चैंपियन' में कार्तिक आर्यन ने अपने करियर की बेस्ट परफॉर्मेंस दी है. ये फिल्म भारत के पहले पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता मुरलीकांत पेटकर की बायोपिक है. फिल्म में पेटकर के किरदार में जान फूंकने के लिए कार्तिक आर्यन ने जबरदस्त ट्रांसफॉर्मेशन किया और हर किसी को हैरान कर दिया. इस फिल्म को क्रिटिक्स और ऑडियंस से शानदार रिस्पॉन्स मिला. फिल्म ने दो हफ्ते तक हर दिन करोड़ों में कलेक्शन किया लेकिन अब कल्कि 2898 एडी की रिलीज के बाद से कार्तिक आर्यन की फिल्म के कारोबार को तगड़ा झटका लगा है. 'चंदू चैंपियन' 100 से 120 करोड़ के बजट में बनी फिल्म बताई जा रही है. इस फिल्म ने रिलीज ने अब तक आधी लागत से तो ज्यादा कमाई कर ली है लेकिन अब इसकी कमाई पर प्रभास स्टारर कल्कि ने असर डाला है. कल्कि के लिए लोगों में जबरदस्त क्रेज देखा जा रहा है ऐसे में दो हफ्ते पुरानी हो चुकी 'चंदू चैंपियन' के लिए अब लोगों की एक्साइटमेंट कम होती नजर आ रही है. इसी वजह से 'चंदू चैंपियन' की कमाई भी करोड़ों से लाखों में सिमट गई है. अब इसका 100 करोड़ का आंकड़ा छूना थोड़ा मुश्किल लग रहा है. देखने वाली बात होगी कि 'चंदू चैंपियन' वीकेंड पर कैसा परफॉर्म कर पाती है. बता दें कि 'चंदू चैंपियन' कबीर खान निर्देशित और को प्रोड्यूस फिल्म है. इस बायोग्राफिकल ड्रामा में कार्तिक के अलावा, विजय राज, राजपाल यादव, भुवन अरोड़ा सहित कई कलाकारों ने अहम रोल प्ले किया है.

पोस्टपोन हुई अजय-तब्बू की फिल्म औरों में कहां दम था की रिलीज डेट

अजय देवगन, तब्बू स्टारर औरों में कहां दम था साल की मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक है. रोमांटिक ड्रामा की रिलीज डेट 5 जुलाई को रखी गई थी लेकिन अब सुनने में आ रहा है किन रिलीज को एक बार फिर टाल दिया गया है. जी हां, आप सही पढ़ रहे हैं. ऐसा दूसरी बार हो रहा है. रिपोर्ट्स के मुताबिक मेकर्स फिल्म को जुलाई के दूसरे हफ्ते में रिलीज करने की योजना बना रहे हैं. रिपोर्ट्स के मुताबिक, कल्कि 2898 एडी का वीकेंड बॉक्स ऑफिस पर काफी अच्छा रहा है. आने वाले दिनों में भी यह बहुत अच्छी पकड़ बनाती दिख रही है. ऐसे में दूसरे वीकेंड में भी इसके अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है. अगर औरों में कहां दम था इस शुक्रवार को रिलीज होती है, तो इससे स्क्रीन शेयरिंग में दिक्कत आएगी और दोनों फिल्में प्रभावित होंगी. इसलिए कमर्शियल नुकसान को देखते हुए औरों में कहां दम था की रिलीज को पोस्टपोन कर दिया गया है. पोस्टपोन होने के बाद फैंस का एक ही सवाल है कि आखिर अब फिल्म रिलीज कब होगी. खबरों के मुताबिक मेकर्स जल्द ही फैसला लेंगे. अंदाजा लगाया जा रहा है कि जुलाई के दूसरे वीक में फिल्म को रिलीज किया जा सकता है. कहा जा रहा है कि मेकर्स की नजर 2 अगस्त पर भी है. दिलचस्प बात यह है कि फिल्म में अजय और तब्बू के यंग वर्जन का रोल शांतनु माहेश्वरी और सई एम मांजरेकर ने निभाया है. औरों में कहां दम था अजय और तब्बू की एक साथ दसवीं फिल्म है और फैंस उन्हें लवर्स के रूप में देखने के लिए एक्साइटेड हैं. औरों में कहा दम था एक एपिक लव स्टोरी है जो कृष्ण और वसुधा के बारे में है.

फिल्म सरफिरा का पहला गाना मार उड़ी जारी

अक्षय कुमार अपनी अगली फिल्म सरफिरा को लेकर कमर कस चुके हैं। हाल ही में फिल्म का ट्रेलर रिलीज किया गया था। वहीं, अब सरफिरा का पहला मार उड़ी जारी कर दिया गया है, जिसमें आम आदमी बने अक्षय कुमार का जिद्दी अंदाज देखने को मिल रहा है। सरफिरा में अक्षय कुमार का किरदार एक ईमानदार शख्स है, जो सिस्टम के खिलाफ जाता है, लेकिन इस सफर में उसके सामने मुश्किलों का एक पहाड़ खड़ा है। अक्षय कुमार ने सोशल मीडिया पर सरफिरा के लेटेस्ट ट्रैक की रिलीज की जानकारी दी है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, दिल है ये बावरा, लडने् से कब डरता है। उन्होंने ये भी लिखा, जब जिंदगी कोई चुनौती देती है, तो बस उसकी आंखों में देखो और मार उड़ी!! गाना रिलीज हो गया है। अब सरफिरा होने का वक्त आ गया है। 1 सरफिरा के गाने मार उड़ी की शुरुआत अक्षय को पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल कलाम के एक साइंस इवेंट से बाहर निकाले जाने से होती है, जबकि वो विनती कर रहे होते हैं। इसके बाद बैकग्राउंड में परेश रावल की आवाज सुनाई देती है, जो कहते हैं, एविएशन का बिजनेस करना हर किसी के बस की बात नहीं है। मार उड़ी में एक सीन फ्लैश बैक का भी दिखाया जाता है, जिसमें अक्षय कुमार भारी भीड़ के साथ विरोध करते हुए दिखते हैं। जैसे-जैसे वीडियो आगे बढ़ता है, अक्षय का किरदार अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करता हुआ दिखाई देता है। क्लिप में उन्हें डेक्कन एयरलाइन के विमान के सामने खड़ा दिखाया गया है। सरफिर के इस गाने में अक्षय कुमार एक रेडियो स्टेशन पर बोलते हुए भी दिखते हैं। वो कहते हैं, मैं आम लोगों के लिए सिर्फ कॉस्ट बैरियर नहीं, बल्कि कास्ट बैरियर भी तोडना् चाहता हूं।

कल्कि 2898 एडी की बॉक्स ऑफिस पर सुनामी

प्रभास स्टारर माइथोलॉजी और साइंस फिक्शन फिल्म कल्कि 2898 एडी की सुनामी बॉक्स ऑफिस पर जारी है. प्रभास, अमिताभ बच्चन, दीपिका पादुकोण और कमल हासन स्टारर फिल्म कल्कि 2898 एडी ने वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर कहर ढा दिया है. कल्कि 2898 एडी बीती 27 जून को रिलीज हुई थी. बीती 30 जून को कल्कि 2898 एडी ने अपना पहला वीकेंड खत्म किया है.

प्रभास की फिल्म कल्कि 2898 एडी ने चौथे दिन वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर 140 करोड़ रुपये बटोरे हैं. संडे को कल्कि 2898 एडी का कलेक्शन जबरदस्त रहा है. इसी के साथ फिल्म ने अपने चार दिनों के ओपनिंग वीकेंड पर 555 करोड़ रुपये कमा लिए हैं. वहीं, फिल्म की तीन दिनों कमाई की बात करें इसने 415 करोड़ रुपये वर्ल्डवाइड कमाए थे. वर

इधर, घरेलू सिनेमा पर भी कल्कि 2898 एडी का तूफान जारी है. फिल्म ने चार दिनों में भारत में 115 करोड़ रुपये कमा लिए हैं. फिल्म लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही है. वहीं, फिल्म ने अपने वीकेंड वर्ल्डवाइड कलेक्शन से भारत की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्में बाहुबली 2, दंगल, आरआरआर, केजीएफ 2, जवान, पठान, सालार, साहो को पीछे छोड़ दिया है.

बता दें, कल्कि 2898 एडी साल 2024 की अब तक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली और पहली 500 करोड़ फिल्म बन गई है. साउथ सिनेमा से अबतक सबसे ज्यादा 300 करोड़ हनु-मैन और बॉलीवुड फिल्म फाइटर 352 करोड़ रुपये की कमाई की थी.

वहीं, फिल्म ने नॉर्थ अमेरिका में रिकॉर्ड तोड़ एडवांस बुकिंग कर कमाई का अंबार लगा दिया है. कल्कि 2898 एडी ने 11 मिलियन यूएस डॉलर (90 करोड़ की कमाई कर ली है. बता दें, आज 1 जुलाई को प्रभास की फिल्म ने अपने पहले सोमवार में एंट्री कर ली है. अब देखना होगा कि फिल्म अपने मंडे टेस्ट में कितने कमाई के झंडे गाड़ती है. बता दें कि 'कल्कि 2898 एडी' नाग अश्विन निर्देशित फिल्म है. 600 करोड़ के बजट में बनी इस फिल्म में प्रभास के अलावा अमिताभ बच्चन, दीपिका पादुकोण, कमल हासन और दिशा पटानी समेत कई कलाकारों ने अहम रोल प्ले किए हैं.

बॉक्स ऑफिस पर मुंज्या की कारोबार 100 करोड़ की ओर

फिल्म मुंज्या दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचने में कामयाब रही है। फिल्म को सिनेमाघरों में रिलीज हुए एक महीना पूरा होने जा रहा है।हॉरर के साथ कॉमेडी से भरपूर इस फिल्म में मोना सिंह, अभय सिंह और शरवरी वाघ जैसे सितारे मुख्य और फिल्म की कहानी दर्शकों को खूब पंसद आ रही है।आइए जानते हैं मुंज्या ने 24वें दिन कितने करोड़ रुपये कमाए।

घरेलू बॉक्स ऑफिस पर मुंज्या की कमाई 100 करोड़ रुपये की ओर बढ़ रही है।बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, मुंज्या ने रिलीज के 24वें दिन यानी चौथे रविवार 1.90 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 95.63 करोड़ रुपये हो गया है।महज 24 दिन में दुनियाभर में इस फिल्म 112.83 करोड़ रुपये कमा लिए हैं।मुंज्या में वरुण धवन ने मेहमान की भूमिका निभाई है। दिनेश विजान इस फिल्म के निर्माता हैं।

'मुंज्या' एक हॉरर कॉमेडी है जो भारतीय लोककथाओं से प्रेरित है. इस फिल्म में अभय वर्मा, शरवरी वाघ, मोना सिंह, सत्यराज, सुहासिनी जोशी और तरनजोत सिंह ने अहम रोल प्ले किया है. ये फिल्म स्त्री, रूही और भेडिया़ के बाद दिनेश विजान की मैडॉक के सुपरनेचुरल यूनिवर्स की चौथी फिल्म है.

काली साड़ी पहन एक्ट्रेस श्रिया सरन ने लूटा फैंस का दिल

साउथ की हसीन अदाकारा श्रिया सरन आए दिन अपनी लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती रहती हैं। उनका हर एक लुक सोशल मीडिया पर आते ही छा जाता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस की कुछ लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं, जिसमें वो काफी ज्यादा खूबसूरत नजर आ रही हैं।

बॉलीवुड और साउथ इंडस्ट्री की खूबसूरत हसीना श्रिया सरन आए दिन अपनी हॉटनेस और बोल्डनेस के कारण सुर्खियों में बनी रहती हैं।

वो जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो अक्सर फैंस के बीच तेजी से वायरल होने लगती हैं।

अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट हॉट फोटोशूट की तस्वीरें इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनके कातिलाना लुक से फैंस नजरें नहीं हटा पा रहे हैं।

फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस श्रिया सरन ने ब्लैक कलर की बेहद ही स्टाइलिश साड़ी पहनी हुई है, जिसमें वो काफी ज्यादा स्टनिंग नजर आ रही हैं।

फोटोशूट के दौरान एक्ट्रेस श्रिया सरन ने कैमरे के सामने एक से बढक़र एक किलर पोज दिए हैं। इन तस्वीरों में उनकी बेबाकी थमने का नाम नहीं ले रही हैं।

बालों को खोलकर और लाइट मेकअप कर के एक्ट्रेस श्रिया सरन ने अपने आउटलु को कंप्लीट किया है। एक्ट्रेस श्रिया सरन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है।

रोजगार की जरूरत

डॉ. जयंतीलाल भंडारी

यकीनन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की नई एनडीए गठबंधन सरकार के सामने एक बड़ी चुनौती नौकरियों और रोजगार अवसरों में वृद्धि करने की है।

हाल ही में दुनिया में आर्थिक और रोजगार से संबंधित शोध अध्ययनों के लिए प्रसिद्ध फ्रांस के कॉरपोरेट एंड इन्वेस्टमेंट बैंक नेटिक्सि एसए के द्वारा प्रकाशित अध्ययन रिपोर्ट के मुताबिक भारत में जिस तेजी से युवा रोजगार के लिए तैयार होकर श्रम शक्ति (वर्क फोर्स) में शामिल हो रहे हैं, उसको देखते हुए भारत को 2030 तक प्रति वर्ष 1.65 करोड़ नई नौकरियों की जरूरत होगी। इसमें से करीब 1.04 करोड़ नौकरियां संगठित सेक्टर में पैदा करनी होगी। जबकि पिछले दशक में सालाना कुल 1.24 करोड़ नौकरियां ही पैदा हो सकी थीं।

इस रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारत को अपनी अर्थव्यवस्था में तेजी को बरकरार रखने के लिए सर्विसेज से लेकर मैन्युफैक्चरिंग तक सभी सेक्टर्स को नई रफ्तार से बढ़ावा देना होगा। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के अनुसार वर्ष 2022 में भारत की कुल बेरोजगार आबादी में से 83 फीसद बेरोजगार युवा थे। वर्ल्ड बैंक के मुताबिक, भारत की कुल श्रम शक्ति की भागीदारी दर मात्र 58 प्रतिशत है, जो भारत के एशियाई समकक्ष देशों की तुलना में बहुत कम है। निसंदेह नई गठबंधन सरकार को बेरोजगारी संबंधी चिंताजनक नए आंकड़ों को ध्यान में रखना होगा। हाल ही पिछले दस वर्षों में संघ लोक सेवा आयोग रेलवे भर्ती और कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) ने जो भर्तियां की हैं, वे रिक्त पदों की तुलना में कम बहुत है।

राष्ट्रीय सांख्यिकीय संगठन (एनएसओ) के द्वारा जारी आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) आंकड़ों के अनुसार भारत के शहरी इलाकों में बेरोजगारी की दर वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही (जनवरी से मार्च 2024) में बढ़कर 6.7 प्रतिशत हो गई है, जो इसके पहले की तिमाही में 6.5 प्रतिशत थी। शहरी बेरोजगारी पिछली चार तिमाही के उच्च स्तर पर पहुंच गई है। 15 साल से अधिक उम्र में बेरोजगारी की दर जनवरी-मार्च 2023 की तिमाही के 6.8 प्रतिशत के बाद सर्वाधिक है।

सर्वेक्षण के अनुसार युवा बेरोजगारी स्तर बढ़ा है और यह बीती तिमाही के 16.5 प्रतिशत से बढ़कर चौथी तिमाही में 17 प्रतिशत हो गया। यह आंकड़ा इसलिए भी महत्त्वपूर्ण है क्योंकि इस आयु वर्ग के लोग पहली बार श्रम बाजार में प्रवेश करते हैं। इससे शहरी रोजगार के बाजार में गिरावट का पता चलता है। अब नई सरकार के द्वारा देश में असंगठित सेक्टर लघु एवं मध्यम उद्योगों और गिग वर्कर्स की चिंताओं पर भी ध्यान दिया जाना होगा। इन सेक्टरों में करोड़ों लोगों को रोजगार तो मिल रहा है, लेकिन भविष्य एकदम सुरक्षित नहीं है। जून 2022 में प्रस्तुत नीति आयोग की एक रिपोर्ट बताती है कि भारत के 77 लाख लोग इस समय गिग इकोनॉमी का हिस्सा हैं। अनुमान है कि 2029-30 तक इनकी संख्या 2.35 करोड़ हो जाएगी।

गिग वर्कर्स के लिए बड़ी समस्या नौकरी जाने का खतरा और प्रोविडेंट फंड, हेल्थ इंश्योरेंस और सामाजिक सुरक्षा नहीं मिलना है। देश में रोजगार के मद्देनजर महिलाओं की स्थिति भी अच्छी नहीं है। नैसकॉम के मुताबिक भारत के प्रौद्योगिकी कार्यबल में केवल 36 फीसद महिलाएं हैं। विश्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक भारत में वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और प्रौद्योगिकीविदों में महिलाओं की भागीदारी केवल 14 फीसद है। विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (एसटीईएम) क्षेत्र में महिलाओं का रोजगार कम है और भारत के बड़े अवसरों के लिए महिलाओं की कम भागीदारी चुनौतीपूर्ण है। निश्चित रूप से नई गठबंधन सरकार को देश की नई पीढ़ी को जॉब सीकर यानी नौकरी की चाह रखने वाले से ज्यादा नए दौर के जॉब गिवर यानी नौकरी देने वाले बनाने की तेज रणनीति के साथ भी आगे बढना होगा। पिछले 10 वर्षों में जिस तरह नई पीढ़ी के द्वारा स्वरोजगार के मौके मुट्ठी में लिए जा रहे हैं।

उनकी रफ्तार बढ़ाई जानी होगी। हाल ही में शोध संस्थान स्कॉच की एक रिपोर्ट में कहा गया कि मोदी सरकार के पिछले 10 साल के कार्यकाल में 51.40 करोड़ रोजगार मिले हैं। इस शोध अध्ययन में रोजगार व स्वरोजगार से संबंधित 12 केंद्रीय योजनाओं को शामिल किया गया है। इनमें मनरेगा, पीएमजीएसवाई, पीएमईजीपी, पीएमए-जी, पीएलआई, पीएमएवाई-यू, और पीएम स्वनिधि जैसी प्रमुख योजनाएं शामिल हैं। इसमें कोई दो मत नहीं है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विगत 10 वर्षों में ऑर्टफशियल इंटेलिजेंस (एआई) जैसी नई स्किल्स से नई पीढ़ी को सुसज्जित करके उनके लिए रोजगार के मौके बढ़ाए हैं।

अब तीसरे कार्यकाल में देश में वैश्विक क्षमता केंद्रों की (जीसीसी) स्थापनाओं की रफ्तार तेजी से बढ़ाकर नए तकनीकी कौशल वाले युवाओं के लिए रोजगार के अधिक मौके सृजित करने की डगर पर आगे बढ़ा जाना होगा। चूंकि कई विकसित और विकासशील देशों में तेजी से बूढ़ी होती आबादी के कारण उद्योग-कारोबार व सर्विस सेक्टर के विभिन्न कामों के लिए युवा हाथों की कमी हो गई तथा श्रम लागत बढने से ये देश कार्यबल संबंधी परेशानियों से जूझ रहे हैं। ऐसे में भारत को इस मौके को भुनाते हुए तेजी से आगे बढना होगा। सरकार ने 2023 तक भारतीय श्रमिक उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न देशों के साथ 13 समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। नई गठबंधन सरकार को ऐसे समझौतों को अब और बढ़ाने की रणनीति के साथ आगे बढना होगा।

हम उम्मीद करें कि प्रधानमंत्री मोदी की नई सरकार के द्वारा उनके विकास के एजेंडे में शामिल अधिक रोजगार के मुद्दे को प्राथमिकता के साथ ध्यान में रखा जाएगा। हम उम्मीद करें कि नई सरकार नई सरकारी नौकरियों के सृजन पर पूर्णरूपेण ध्यान देते हुए लघु-मध्यम उद्योग और असंगठित क्षेत्र में रोजगार की जरूरतों पर ध्यान देगी। साथ ही उम्मीद करें कि मोदी सरकार के श्रम और रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया और कौशल विकास व उद्यमिता राज्य मंत्री जयंत चौधरी 142 करोड़ से अधिक आबादी के साथ दुनिया की सर्वाधिक आबादी वाले भारत में दुनिया की सर्वाधिक युवा आबादी को नए उच्च गुणवत्ता वाले कौशल से सुसज्जित करके उनके चेहरों पर रोजगार की मुस्कुराहट देने के साथ देश की आर्थिक तस्वीर संवारने की संभावनाओं को साकार करने के लिए नई कारगर रणनीतियों के साथ आगे बढ़ेंगे।

सू- दोकू क्र.131

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.130 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

गर्मियों में अक्सर नाक रहती है सूखी हुई तो हो सकते हैं ये कारण, ट्राई करें यह घरेलू नुस्खे

गर्मियों में अक्सर नाक सूखने लगते हैं इसके कारण ही कई बार नाक से ब्लड निकलने लगता है। इस मेडिकल भाषा में नेजल ड्राईनेस कहा जाता है। आइए जानें इससे बचने का तरीका।

कई लोगों को गर्मियों में नेजल ड्राईनेस की समस्या काफी ज्यादा परेशान करती है। इसके पीछे कई कारण भी हो सकते हैं। लेकिन इस बीमारी में नाक से खून भी निकलने लगता है।

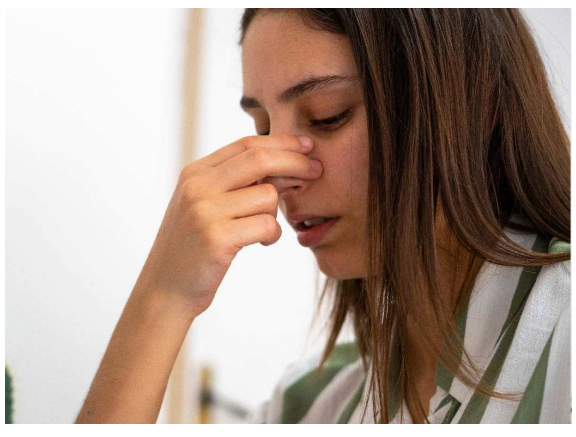

आपको जानकर हैरानी होगी कि यह गर्मी के कारण तो ही है लेकिन जो व्यक्ति लगातार एसी में रहते हैं उन्हें यह चीज ज्यादा होती है। दरअसल, ऐसी में घंटों रहने के कारण नाक के अंदर मौजूद म्यूकस मेम्ब्रेन ड्राई हो जाती है। जिसके कारण इस बीमारी का लोग शिकार हो जाते हैं।

गर्मी, पॉल्यूशन और ड्राइनेस के कारण अक्सर यह बीमारी लोगों को अपना शिकार बना लेती है। आज हम इससे बचने के लिए खास टिप्स बताएंगे।

कुछ लोग ऐसे भी हैं जो रात-दिन एसी में बैठ-सोते रहते हैं। इसके कारण नेजल ड्राईनेस की समस्या हो जाती है। अगर आपको लग रहा है कि नाक ज्यादा ड्राई हो रहा है तो आप इस पर जेल पैच लगा सकते हैं।

अगर आपको काफी वक्त से सर्दी है तो इसका जल्दी इलाज करनाएं। इससे भी ड्राई नोज की समस्या होती है। गर्मियों में इम्युनिटी को मजबूत बनाएं ताकि जल्दी बीमारी न पड़े। कोल्ड या फ्लू का इलाज करवाएं। गर्मियों में या सर्दियों में अक्सर हम मॉइश्चराइजर का अप्लाई करते हैं ताकि स्किन ड्राई न पड़े लेकिन कभी भी नाक के आसपास के एरिया में लोशन या क्रीम लगाना भूल जाते हैं जोकि गलत है इसेस नेजल ड्राईनेस की बीमारी बढ़ती है।(आरएनएस)

जल्दबाजी में कहीं आप भी तो नहीं खराब कर रहीं अपना फिगर, जानें वेट लॉस और फैट लॉस में अंतर

आजकल हर कोई फिट रहना चाहता है। ज्यादातर लोग जिम में जाकर वर्कआउट करते हैं। कुछ लोग घर में ही एक्सरसाइज और सही डाइट फॉलो कर खुद की बॉडी को मेंटेन रखने की कोशिश करते हैं। जब भी फिटनेस की बात आती है तो दो बातों की चर्चा सबसे ज्यादा होती है।

पहला वेट लॉस और दूसरा सही डाइट। जिसके जरिए फैट लॉस किया जाता है। इसे लेकर मसल्स लॉस की भी खूब बातें होती हैं। बहुत से लोग फैट लॉस और मसल्स लॉस के बीच का अंतर ही नहीं जानते हैं। अगर आप भी इनमें फर्क नहीं कर पाते तो यहां जानिए।।।

फैट लॉस और मसल्स लॉस क्या हैं

मसल्स लॉस और फैट लॉस में काफी फर्क होता है। मोटापा कम करने की बात होने पर फैट लॉस की सलाह डॉक्टर देते हैं।फैट लॉस से शरीर को फिट बनाया जा सकता है, लेकिन मसल्स लॉस बिल्कुल भी सही नहीं है। शरीर का फैट कम करने के लिए कैलोरी डेफिसिट की आवश्यकता होती है। जब ऐसा नहीं हो पाता तो शरीर मसल्स बर्न करने लगता है और उसे एनर्जी देने लगता है। इससे मसल्स लॉस धीरे-धीरे होने लगता है।

वेट लॉस क्या होता है

वेट लॉस का मतलब फैट लॉस ही है। फैट कम करने के लिए कैलोरी को कम करना होता है। अगर फैट कम कर रहे हैं तो ये भी हो सकता है कि मसल्स को सही हिसाब से कैलोरी न मिल रही हो। ऐसे में बहुत से लोग सोचते हैं कि क्या एक ही समय पर फैट लॉस और मसल्स गेन किया जा सकता है।

मसल्स लॉस कैसे होने लगता है

जब वेट लॉस के लिए कैलोरी डेफिसिट में पहुंचते हैं यानी शरीर में कैलोरी कम होने लगती है तो शरीर को जरूरी ऊर्जा नहीं मिलती है। ऐसे में शरीर मसल्स को बर्न कर एनर्जी गेन करता है। इससे मसल्स लॉस होने लगता है।

मसल्स लॉस और फैट लॉस में क्या अंतर है

फैट लॉस का मतलब शरीर में जमा एक्स्ट्रा फैट कम करना है। फैट मसल्स के चारों तरफ एक परत की तरह जमा होता है। इसे कम करने से शरीर का वजन कम होता है। जबकि मसल्स लॉस का मतलब मांसपेशियों का घटना है। मसल्स शरीर की ताकत और स्थिरता बनाए रखने में मदद करता है। मसल्स लॉस का सेहत के लिए बिल्कुल भी अच्छा नहीं है।

स्वामी विवेकानंद को पुण्यतिथि पर मुख्यमंत्री ने दी श्रद्धांजलि

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि पर उनके चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने महान दार्शनिक और समाज सुधारक स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि के अवसर पर मुख्यमंत्री आवास में उनके चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वामी विवेकानंद के विचारों को आत्मसात कर देश की युवा शक्ति प्रगति पथ पर आगे बढ़कर राष्ट्र के उत्थान में अपना योगदान दे रही है। उनके विचारों का अनुसरण कर सभी को समाजसेवा के लिए नवचेतना का संचार करना होगा।

15 बोतल शराब सहित एक गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

रूद्रप्रयाग। केदारनाथ यात्रा मार्ग पर शराब तस्करी कर रहे एक नेपाली को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके कब्जे से 15 बोतल अंग्रेजी शराब बरामद की गयी है।

जनपद रुद्रप्रयाग में प्रचलित केदारनाथ यात्रा के सफल संचालन हेतु पुलिस अधीक्षक रुद्रप्रयाग के निर्देशन में अवैध शराब व मादक पदार्थों की तस्करी को रोकने के लिए जनपद रुद्रप्रयाग पुलिस द्वारा सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। यात्रा व्यवस्थाओं के सकुशल संचालन के साथ ही जनपद पुलिस के स्तर से प्रभावी चैकिंग व मुखबिर तन्त्र विकसित करते हुए यात्रा की आड़ में शराब की तस्करी करने वालों के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में थाना अगस्त्यमुनि क्षेत्रान्तर्गत चौकी तिलवाड़ा पुलिस ने अपने थाना क्षेत्रान्तर्गत चैकिंग के दौरान 1 नेपाली मूल के व्यक्ति को 15 बोतल मेकडॉवल्स व्हिस्की शराब के साथ गिरफ्तार किया है। पूछताछ में उसने अपना नाम रतन बहादुर, पुत्र दिल बहादुर, निवासी ग्राम पाखा, थाना मानमा, जिला कालीकोट, नेपाल। हाल अमरापुरी, गंगानगर, अगस्त्यमुनि, जनपद रुद्रप्रयाग बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी गयी है।

हत्या का खुलासा, महिला केयर... ◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

मकान बन रहा है, जिस पर कई लोगों का उधार भी है। जिसके बाद हमने सीसी कैमरे चैक किये तो पाया कि अंजली शर्मा किसी एक अन्य अंजान लडके के साथ हमारे घर के पास दिखायी दी। जिनकी गतिविधियां संदिग्ध प्रतीत हो रही है। उनको शक है कि अंजली शर्मा व अज्ञात टोपी वाले व्यक्ति ने लूटपाट करके उनकी माता की हत्या कर दी है। मामले में पुलिस ने हत्या की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी गयी। आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस टीम द्वारा एक सूचना के बाद पुलिस ने बीती रात आरोपित अंजली शर्मा व प्रकाश में आया आरोपी शिवम पुत्र अनिल निवासी ग्राम चीनोर थाना सदर जिला शाहजहांपुर उ.प्र. को लूटे गये जेवरात के साथ गिरफ्तार कर लिया गया है। जिन्होने पूछताछ में बताया कि हम दोनों ने मिलकर दिनांक 28 जून की रात मृतका विजय लक्ष्मी की कुशन तथा पायदान से मुंह व गला दबाकर हत्या कर जेवरात लूट लिये गये थे।

अधिवक्ता से मारपीट पर गुस्साये लोगों... ◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

रह रहे हैं तथा वह आये दिन नशे की हालत में लोगों के साथ अभद्रता व मारपीट करते रहते हैं। लेकिन पुलिस उनके खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं करती है। जिससे उनके हौंसले बढते जा रहे हैं जिसका नतीजा यह रहा कि उन्होंने आज अधिवक्ता के साथ भी मारपीट कर दी। कोतवाली के घेराव के दौरान अधिवक्ता गगनदीप थापर ने चार लोगों को नामजद करते हुए पुलिस को तहरीर दे दी। फोन पर सम्पर्क करने पर डालनवाला कोतवाल राकेश गुसांई से सम्पर्क नहीं हो पाया। समाचार लिखे जाने तक थाने का घेराव जारी था।

सरकार ने 3 साल में कई बड़े काम किये: धामी

लव जिहाद, लैंड जिहाद पर लगी रोक

●समान नागरिक संहिता बड़ी उपलब्धि
●भर्तियों को बनाया पारदर्शी
●महिलाओं का किया गया सशक्तिकरण

विशेष संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के 3 साल पूरा होने पर पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि इन तीन सालों में उनकी सरकार ने अनेक विकास कार्य व जनहित के फैसले किए हैं। उन्होंने कहा कि वह आगे भी राज्य के विकास के लिए कार्य करते रहेंगे।

मुख्यमंत्री का कहना है कि उनकी सरकार ने राज्य की इकोलॉजी और इकोनॉमी को बेहतर बनाने के लिए लव जिहाद और लैंड जिहाद के खिलाफ सख्त कानून बनाए हैं और उन्हें रोकने का प्रयास किया है। उनकी सरकार द्वारा भर्ती परीक्षाओं को पारदर्शी बनाने के लिए सख्त नकलरोधी कानून बनाया गया है जिससे युवाओं के भविष्य के साथ कोई खिलवाड़ न किया जा सके।

मुख्यमंत्री धामी का कहना है कि उन्होंने राज्य में धर्मांतरण रोकने के लिए और दंगों को रोकने के लिए भी सख्त कानून बनाए हैं। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण व युवाओं के कल्याण के लिए निरंतर काम कर रही है। प्रदेश में लखपति दीदी से लेकर आंदोलनकारी को 10 फीसदी क्षैतिज आरक्षण देने जैसे अनेक काम किए हैं। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि राज्य में समान नागरिक संहिता कानून लागू करने से लेकर युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार देने के लिए तमाम योजनाएं चला रखी है।

सीएम ने कहा कि अपने 3 साल के कार्यकाल में वह है 14 हजार 8 सौ से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी उपलब्ध करा चुके हैं।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में विकास के कार्य तेजी से आगे बढ़ रहे हैं तथा केंद्र की मोदी सरकार के प्रति वह आभारी हैं जिनके सहयोग से राज्य निरंतर विकास की ओर अग्रसर है। उन्होंने कहा कि ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के जरिए राज्य में विकास आगे बढ़ रहा है। उन्होंने प्रदेश की जनता का भी आभार जताया है कि उन्होंने अब तक उन्हें भरपूर सहयोग और सम्मान दिया है। मुख्यमंत्री ने भरोसा दिलाया कि वह इसी तरह प्रदेश के विकास व जनहित के लिए आगे भी काम करते रहेंगे।

युवती से छेड़छाड़ मामले में चौकी प्रभारी व दरोगा के खिलाफ मुकदमा दर्ज!

हमारे संवाददाता

रूद्रप्रयाग। प्रदेश मे पुलिस द्वारा किये जाने वाले महिला उत्पीड़न के मामले लगातार सामने आ रहे है। पंतनगर मे हुई घटना के बाद अब रुद्रप्रयाग से एक युवती को चौकी की महिला पुलिस कैंप में रोक कर शराब के नशे मे दरोगा द्वारा छेड़छाड़ करने का मामला सामने आया है। युवती ने चौकी इंचार्ज केदारनाथ पर भी महिला पुलिस कैंप का दरवाजा बंद करने का आरोप लगाया है। युवती बीते वर्ष मध्यप्रदेश से केदारनाथ धाम दर्शन के लिए आयी थी। मामला सामने आने पर पुलिस विभाग द्वारा आरोपी दारोगा व चौकी इंचार्ज को संस्पेंड करने के साथ ही मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी है।

जानकारी के अनुसार मध्यप्रदेश निवासी एक युवती ने शिकायत कर बताया कि वह बीते साल 26 मई को पैदल कैदारनाथ दर्शन के लिए आयी थी। दर्शन के बाद उनको हेलीकाप्टर से वापस आना था। परन्तु मौसम खराब होने की वजह से हेलीकाप्टर सेवा बंद हो गई। जिस कारण उन्होंने वही रुक कर होटल तलाश किए। होटल खाली न मिलने के बाद उन्होंने चौकी प्रभारी कैदारनाथ मंजुल रावत से सम्पर्क किया। चौकी प्रभारी ने उनको महिला पुलिस कैंप मे रुकने को कहा और आश्वासन दिया कि उनके साथ एक महिला कांस्टेबल भी रुकेगी। लेकिन देर रात तक कोई महिला कांस्टेबल वहा नहीं आयी। जिसके बाद शराब के नशे मे दरोगा कुलदीप सिंह ने उनके साथ गंदी हरकते की। आरोप है कि जब युवती ने अपने परिजनों को फोन मिलाने का प्रयास किया तो दारोगा कुलदीप युवती के साथ जबरदस्ती करने लगा और चौकी प्रभारी मंजुल रावत ने बाहर से महिला कैंप का दरवाजा बंद कर दिया। जिसके बाद बड़ी मुश्किल से युवती ने कैंप से बाहर निकल कर अपनी जान बचाई। वही, सोनप्रयाग पुलिस ने मंजुल रावत व कुलदीप सिंह के खिलाफ छेड़छाड़ की धराओ मे मुकदमा दर्ज कर लिया है। साथ ही दोनों को ससपेंड भी कर दिया गया है।

प्राइवेट स्कूल लेट फीस के नाम पर लूट रहे हैं अभिभावकों को: मोर्चा

संवाददाता

विकासनगर। जन संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने कहा कि प्राइवेट स्कूल लेट फीस के नाम पर अभिभावकों को लूट रहे हैं।

आज यहां जन संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने पत्रकारों से वार्ता करते हुए कहा कि वैसे तो प्रदेश भर के अधिकांश नामी- गिरामी प्राइवेट स्कूल लेट फीस के नाम पर जुर्माना वसूलते हैं, लेकिन प्राइवेट स्कूल्स लेट फीस के नाम पर 50 रूपये प्रतिदिन एवं जिस दिन फीस जमा कराई गई 50 रूपये प्रतिदिन के हिसाब से एवं एक माह की निर्धारित अवधि के पश्चात अतिरिक्त जुर्माना 5000 रूपये वसूल रहे हैं, जोकि खुली लूट है, लेकिन अधिकारियों का ध्यान इस ओर बिल्कुल नहीं है। अभिभावक डर के कारण आवाज नहीं उठा पाते ,जिसका भरपूर फायदा ये लूटपाट केंद्र बन चुके प्राइवेट स्कूल्स उठा रहे हैं। इन स्कूल स्वामियों की

संवेदनाएं बिल्कुल मर चुकी हैं। लेट फीस लेने के मामले में अन्य नामी- गिरामी स्कूल भी पीछे नहीं है। नेगी ने कहा कि मध्यम वर्गीय व गरीब अभिभावक अपना पेट काटकर अपने बच्चों को अच्छी तालीम दिलाने के उद्देश्य से इन प्राइवेट विद्यालयों में पढ़ाते हैं, लेकिन किसी कारण यथा बीमारी, दुर्घटना, रोजगार में मंदी, शादी- विवाह इत्यादि आकस्मिक खर्चों की वजह से फीस जमा करने में थोड़ा -बहुत देर कर देते हैं, जिसका फायदा उठाना ये प्राइवेट विद्यालय बखूबी जानते हैं। नेगी ने हैरानी जताई कि ये विद्यालय एडवांस में दो-तीन माह की फीस जमा करवा लेते हैं पर कोई अलग से ब्याज व पारितोषिक नहीं देते, लेकिन दो दिन भी फीस लेट हो जाए तो जुर्माना वसूल लेते हैं। मोर्चा मंत्री व अधिकारियों को आगाह करता है कि इसका संज्ञान लें, वरना आर -पार की लड़ाई होगी।

पत्रकार वार्ता में अशोक चंडोक, मुजीबुर्रहमान, सलीम, अमित जैन व मुकेश पसपोला शामिल थे।

एक नजर

भाई-बहन पर एसिड फेंकने वाले आरोपी को पुलिस मुठभेड़ में पैर में लगी गोली

लखनऊ। चौक थाना क्षेत्र में युवती और उसके भाई पर एसिड फेंकने वाले आरोपी की देर रात पुलिस से मुठभेड़ हो गई। इस मुठभेड़ में उसके पैर में गोली लगी है। आरोपी पुलिस को चकमा देकर भागने की फिराक में था। दरअसल, पूरा मामला बुधवार सुबह का है, जब लोहिया पार्क के पास अपने मौसेरे भाई के साथ जा रही युवती पर एक शोहदे ने एसिड फेंक दिया। इस हमले में भाई और बहन दोनों झुलस गए। युवती किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी जा रही थी क्योंकि उसका मौसेरा छोटा भाई हर्ष केजीएमयू में फस्ट ईयर का छात्र है और उसकी काउंसलिंग थी। जब ये दोनों चौक स्टेडियम के पास राम लीला मैदान के सामने वाली सड़क पर बात कर रहे थे तभी एक छोटे कद का लड़का काली टीशर्ट पहने हुए आया और उनसे बात करने का प्रयास करने लगा। जिसपर भाई-बहन ने उसे वहां से भगा दिया। लेकिन फिर कुछ देर बाद वह वापस आया और अपने बैग से ज्वलनशील पदार्थ निकाल कर दोनों पर फेंक दिया। सुबह हुई इस घटना के बाद देर रात मुठभेड़ के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस को जानकारी मिली कि आरोपी गुलाला घाट के पास छिपा हुआ है, जिसपर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और तलाशी शुरू की। पुलिस को देखकर आरोपी ने टीम पर फायर कर दिया। जवाबी फायरिंग में आरोपी के एक पैर में गोली जा लगी। फिलहाल, उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पूछताछ की जा रही है।

घर के सामने टहल रहे क्राइम ब्रांच के एएसआई की गोली मारकर हत्या

करनाल। करनाल के घरौंडा इलाके के कुटैल गांव में बाइक सवार दो बदमाशों ने क्राइम ब्रांच के एक एएसआई की गोली मारकर हत्या कर दी। शाम को एएसआई अपने घर के सामने टहल रहे थे, तभी अचानक बाइक सवार बदमाश आए और गोली मारकर भाग गए। घायल एएसआई को करनाल के एक निजी अस्पताल ले जाया गया जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मौके पर दो कारतूस के खोखे भी मिले हैं। बताया जाता है कि कुटैल गांव निवासी 40 वर्षीय संजीव यमुनानगर की क्राइम ब्रांच में एएसआई के पद पर तैनात थे। मंगलवार को वह अपने घर पर था। शाम को वह अपने घर के सामने टहल रहे थे तभी पल्सर बाइक पर दो बदमाश आये और उन पर फायरिंग कर दी। उसे करनाल के एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हत्या की वजह अभी सामने नहीं आई है. घरौंडा थाना प्रभारी मनीष ने बताया कि एएसआई संजीव को गोली लगी है। पुलिस हमलावरों तक पहुंचने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है।

दिल्ली, हरियाणा में अलग-अलग चुनाव लड़ेंगे कांग्रेस और आम आदमी पार्टी

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने बृहस्पतिवार को कहा कि दिल्ली और हरियाणा के विधानसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी (आप) के साथ गठबंधन की कोई गुंजाइश नहीं है। हालांकि महाराष्ट्र एवं झारखंड के विधानसभा चुनावों में इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) बरकरार रहेगा। रमेश ने कहा कि जिन राज्यों में कांग्रेस एवं सहयोगी दलों के नेता चाहेंगे वहां यह गठबंधन बरकरार रहेगा। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी दोनों इंडिया गठबंधन के घटक हैं। लोकसभा चुनाव में दोनों दलों ने दिल्ली एवं हरियाणा में मिलकर चुनाव लड़ा था, लेकिन पंजाब में दोनों अलग अलग मैदान में उतरे थे। महाराष्ट्र, झारखंड, हरियाणा में इसी साल अक्टूबर-नवंबर में विधानसभा चुनाव होने हैं। दिल्ली में अगले साल की शुरुआत में विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं। हरियाणा में (लोकसभा चुनाव में) एक सीट आम आदमी पार्टी को दी गई थी, मैं नहीं समझता कि वहां (विधानसभा चुनाव में) इंडिया जनबंधन बरकरार रहेगा। उनका कहना था कि दिल्ली में तो आम आदमी पार्टी की ओर से बयान आ गया है कि विधानसभा चुनाव के लिए इंडिया जनबंधनश नहीं होगा। रमेश ने कहा, मैंने पश्चिम बंगाल के संदर्भ में कहा था कि श्इंडिया जनबंधनश लोकसभा चुनाव के लिए है। जिन जिन राज्यों में हमारे नेता और दूसरी पार्टियों के नेता चाहते हैं कि गठबंधन हो, वहां गठबंधन रहेगा।

अपराधियों को भाजपा सरकार दे रही संरक्षण:रौतेला

संवाददाता

देहरादून। महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष ज्योति रौतेला ने कहा कि महिला अत्याचार की घटनाओं में अपराधियो को राज्य की भाजपा सरकार संरक्षण दे रही है।

आज यहां उत्तराखण्ड प्रदेश महिला कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने प्रदेश में महिलाओं पर बढ रहे अत्याचार की घटनाओं को लेकर जिलाधिकारी देहरादून के माध्यम से राज्यपाल के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपते हुए राज्य की विगडती कानून व्यवस्था एवं बढ़ती महिला अपराध की घटनाओं को रोके जाने की मांग की। जिलाधिकारी के प्रतिनिधि एस.पी. सिटी द्वारा मौके पर पहुंचकर ज्ञापन लिया गया। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती ज्योति रौतेला के नेतृत्व में विरोध-प्रदर्शन के साथ राज्य की बिगड़ती हुई कानून व्यवस्था, महिलाओं व नाबालिग बच्चियों के विरूद्ध हो रही हिंसा, बलात्कार व जघन्य हत्याकांड की घटनाओं को लेकर नारेबाजी के साथ प्रदेश कांग्रेस कार्यालय से कनक चौक तक मार्च निकालते हुए राज्य सरकार का पुतला दहन किया। राज्यपाल के नाम संबोधित ज्ञापन में महिला कांग्रेस अध्यक्ष ज्योति रौतेला ने कहा कि भ्रष्टाचार और भयमुक्त सरकार के अपने वायदे पर अमल करने में राज्य की भाजपा सरकार पूरी तरह नाकाम रही है। अंकिता भण्डारी हत्याकांड और बहादराबाद बलात्कार और हत्या की घटनाओं में सत्ताधारी दल के नेताओं की संलिप्ता से स्पष्ट हो गया है कि भाजपा सरकार बलात्कारियों की संरक्षक बनी हुई है तथा इस प्रकार के घृणित अपराध करने वाले अपराधियों को सजा दिलाने की बजाय बचाने का काम कर रही है। रौतेला ने कहा कि लालकुआं में मासूम बच्ची का बलात्कार, किच्छा में चार साल की नाबालिग बच्ची से दुष्कर्म के बाद हत्या, उत्तरकाशी में नाबालिग से सामूहिक बलात्कार, बागेश्वर व थराली में नाबालिग से दुष्कर्म का प्रयास, देहरादून स्थित राष्ट्रीय दृष्टि बाधिता संस्थान में छात्राओं से छेड़-छाड़ की घटना, चर्चित अंकिता भंडारी जघन्य हत्याकांड, हेमा नेगी, पिंकी हत्याकांड, चम्पावत में नाबालिग से बलात्कार, मंगलौर में सामूहिक दुष्कर्म, श्रीनगर में युवती से बलात्कार का प्रयास, द्वाराहाट में नाबालिग दलित युवती से बलात्कार, देहरादून में महिला को बंधक बनाकर दुष्कर्म, बहादराबाद में 13 साल की मासूम के साथ सामूहिक बलात्कार के उपरान्त हत्या की घटनायें मानवता को शर्मशार करने वाली तथा देवभूमि की अस्मित को कलंकित करने वाली घटनायें हैं। बहादराबाद बलात्कार एवं हत्या की घटना को एक सप्ताह भी नहीं व्यतीत हुआ कि 3 जुलाई 2024 को चम्पावत में महिला के अपहरण के उपरान्त सामूहिक बलात्कार की घटना ने फिर से एक बार देवभूमि को शर्मसार कर दिया है।

विरोध-प्रदर्शन कार्यक्रम में आशा मनोरमा डोबरियाल शर्मा, नजमा खान, जया कर्नाटक, धनी दुम्का,सुनीता कश्यप, जया, इमराना परवीन आदि दर्जनों महिला कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

लाखों रुपये की स्मैक सहित तस्कर दबोचा

हमारे संवाददाता

नैनीताल। नशा तस्करी में लिप्त एक व्यक्ति को एसओजी व पुलिस की संयुक्त टीम ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से 47.24 ग्राम स्मैक बरामद की गयी है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज कोतवाली हल्द्वानी पुलिस व एसओजी टीम को सूचना मिली कि क्षेत्र में कोई नशा तस्कर नशीले पदार्थो की खेप सहित आने वाला है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस व एसओजी टीम संयुक्त टीम ने क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया गया। इस दौरान संयुक्त टीम को क्रियाशाला मंदिर के पास एक संदिग्ध व्यक्ति आता हुआ दिखायी दिया। टीम द्वारा जब उसे रोकने का प्रयास किया गया तो वह सकपका कर भागने लगा। इस पर उसे घेर कर दबोचा गया। तलाशी के दौरान उसके पास से 47.24 ग्राम स्मैक बरामद हुई।

पूछताछ में उसने अपना नाम प्रेमपाल पुत्र शिवचरण निवासी ग्राम सिंगरा थाना मीरगंज जिला बरेली उतरप्रदेश बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ कोतवाली हल्द्वानी में एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार आरोपी शातिर किस्म का नशा तस्कर है जो पहले भी थाना मुखानी में पंजीकृत एनडीपीएस के अभियोग में जेल जा चुका है।

खड़े वाहन से टकराई कार, दो की मौत एक गम्भीर घायल

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। सड़क हादसे में देर रात एक तेज रफ्तार कार के सड़क किनारे में खड़े वाहन से टकरा जाने पर जहां दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गयी वही एक गम्भीर रूप से घायल हुआ है। सूचना मिलने पर पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर घायल को अस्पताल पहुंचाया जहां उसकी हालत चिंताजनक बनी हुई है।

जानकारी के अनुसार बीती रात करीब एक बजे तीन युवक रुद्रपुर से कार से घर लौट रहे थे। इसी दौरान मटकोटा मोड़ के पास कार पहले से खड़ी गाड़ी से जा टकराई। इस हादसे में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि इस हादसे में 28 वर्षीय गोपाल मल्लिक पुत्र केशव मल्लिक निवासी वार्ड 5 दुर्गा मंदिर और 26 वर्षीय सोनू सरकार पुत्र धरम चंद्र सरकार निवासी वार्ड चार सतसंग बिहार की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि 26 वर्षीय दीपू ढाली पुत्र बाबु ढाली निवासी वार्ड 5 दिनेशपुर घायल है। इस घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया है। वहीं पुलिस ने दोनो शवों को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी है।

घर के बाहर से मोटरसाईकिल चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने घर के बाहर से मोटरसाईकिल चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार राजेन्द्र नगर निवासी अंकित मिश्रा ने कैण्ट कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपनी मोटरसाईकिल घर के बाहर खडी की थी। जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसने देखा कि उसकी मोटरसाईकिल अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।